शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025

मौसम

तापमान 32 – 25
आर्द्रता 85%
सूर्योदयः 5:14 सूर्यास्तः 17:58

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

भारत 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों का निर्माण करेगा : राजनाथ –पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, चैत्र कृष्णपक्ष पंचमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : खोने के बाद ही ख्याल आता है, कितना कीमती था समय,इंसान, और संबंध।

सुप्रीम कोर्ट ने 'योग्य' शिक्षकों को अस्थायी रूप से बहाल रखने की दी अनुमति

- वर्ष के अंत तक नई भर्ती प्रक्रिया का निर्देश

नई दिल्ली/कोलकता : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में कक्षा 9 से 12 तक के उन सहायक शिक्षकों को पद पर बने रहने की अनुमति दे दी, जिनकी नियुक्तियां 2016 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के कारण रद्द कर दी गई थीं। शीर्ष अदालत ने कहा कि इन पदों पर नई नियुक्तियां होने तक सभी सहायक शिक्षक पद पर बने रहेंगे। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह फैसला दिया। पीठ में जस्टिस संजय कुमार भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि न्यायालय केवल शिक्षकों को सेवा विस्तार देगा, चतुर्थ श्रेणी के उम्मीदवारों को नहीं। पीठ ने कहा कि छात्रों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। एक वकील ने दलील दी कि इस याचिका के लंबित रहने के कारण 2016 से कोई भर्ती नहीं हुई है। पीठ ने कहा कि उसके द्वारा पारित आदेश इस शर्त के अधीन है कि राज्य सरकार और पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) कक्षा 9 और 10 तथा 11 और 12 के सहायक शिक्षकों के पदों के लिए नई भर्ती प्रक्रिया 31 दिसंबर, 2025 तक पूरी करेंगे। सीजेआई ने पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य एसएससी को 31 मई, 2025 तक नई भर्ती प्रक्रिया के लिए विज्ञापन जारी करने और परीक्षा और पूरी भर्ती प्रक्रिया 31 दिसंबर, 2025 तक पूरी करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और एसएससी को 31 मई, 2025 से पहले हलफनामा दाखिल करने और भर्ती विज्ञापन को रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया।

पीठ ने स्पष्ट किया कि अगर कोई चूक होती है, तो वर्तमान आदेश निरस्त हो जाएगा। पीठ ने कहा कि जहां तकसमूह सी और डी कर्मचारियों का सवाल है, वह प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं है, क्योंकि दागी उम्मीदवारों की संख्या काफी अधिक है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल बनाम बैशाखी भट्टाचार्य मामले में एक आवेदन पर यह आदेश पारित किया, जिसमें उसने बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और हेरफेर के कारण 2016 की नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को बरकरार रखा।

'इसी साल होगा समस्या का समाधान', कोर्ट के आदेश के बाद बेरोजगार शिक्षकों को ममता का आश्वासन

कोलकाता, समाज्ञा : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को नवान्न में एक प्रेस को संबोधित करते हुए बेरोजगारों को संदेश दिया। ममता ने कहा कि राज्य यह सुनिश्चित कर रहा है कि योग्य शिक्षकों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े,इसलिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की गई थी। इस बार, अदालत ने उस अनुरोध पर प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इसी वर्ष समस्या का समाधान हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास दिसंबर तक का समय है। इस साल के भीतर सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात की चिंता थी कि शिक्षकों को वेतन कैसे दिया जाए। हालांकि, मैंने यह भी बताया कि उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था कैसे की जाए। शिक्षकों को मुख्यमंत्री से संदेश दिया कि चिंता न करें। कड़ी मेहनत करें और साफ मन से काम करें। जब आप पीड़ित होते हैं, तो हम भी पीड़ित होते हैं।

बेरोजगार हुए 'बेदाग' शिक्षक सुप्रीम कोर्ट के आदेश से असंतुष्ट

बड़े पैमाने पर भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की वजह से उच्चतम न्यायालय द्वारा बर्खास्त किये गए शिक्षकों ने शीर्ष अदालत की ओर से उनकी सेवा को अस्थायी रूप से विस्तारित किये जाने को गुरुवार को 'अल्पकालिक राहत' करार देते हुए असंतोष जताया। बेरोजगार हुए पात्र शिक्षकों ने जोर देकर कहा कि केवल स्थायी बहाली से ही उन्हें न्याय मिलेगा। बेरोजगार शिक्षक कर्मचारियों में शामिल पंकज रॉय ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय के प्रति पूरे सम्मान के साथ, आइए हम उस आदेश पर अपना असंतोष व्यक्त करें, जिसने हमें केवल 31 दिसंबर तक कक्षाओं में पढ़ाने की अनुमति दी है।

अगली तारीख तक यथास्थिति बनी रहेगी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ से केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक 'उपयोगकर्ता की ओर से वक्फ' या 'दस्तावेजों की ओर से वक्फ' संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है, तो उन संपत्तियों को 5 मई को अगली सुनवाई तक गैर-अधिसूचित नहीं किया जा सकता। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली तारीख 5 मई तय की।

सरकार की दलील

सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। सरकार को लाखों-लाखों प्रतिनिधि मिले, गांव-गांव वक्फ में शामिल किए गए। इतनी सारी जमीनों पर वक्फ का दावा किया जाता है। इसे कानून का हिस्सा माना जाता है। अंतरिम रोक की राय पर मेहता ने कहा कि कानून पर रोक लगाना एक कठोर कदम होगा। उन्होंने अदालत के सामने कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि इस दौरान बोर्ड या काउंसिल की कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिस पर इस तरह से विचार किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया, अदालत ने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। वह नहीं चाहता कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो। कोर्ट ने कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित है, तो हमे यह सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव न हो।

सरकार को सात दिन का वक्त

सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के इस बयान को रिकॉर्ड में लिया कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब देगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई की तारीख तक, वक्फ, जिसमें पहले से पंजीकृत या अधिसूचना के माध्यम से घोषित वक्फ-बाय-यूजर शामिल है, को न तो डीनोटिफाई किया जाएगा और न ही कलेक्टर इसे लेकर कोई फैसला लेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब दाखिल करे। तब तक यथास्थिति बनी रहेगी।

केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई

दूसरी ओर पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर कई याचिकाओं पर विचार करना असंभव है। पीठ ने स्पष्ट किया कि वह केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जबकि वकीलों से कहा कि वे आपस में तय करें कि कौन बहस करेगा।

वक्फ कानून पर 'सुप्रीम' सुनवाई: सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का समय

कुछ राजनीतिक दल विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल में दंगा भड़काने की कोशिश कर रही : ममता

- ममता ने एजेंसी का दुरुपयोग करने के लिए गृह मंत्री शाह की फिर आलोचना की
- मुख्यमंत्री का आरोप, अन्य देशों से बंगाल आने वालों का केन्द्र नहीं दे रही हैं ब्यौरा

कोलकाता, समाज्ञा : ममता बनर्जी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकार क्षेत्र में विस्तार को लेकर गुरुवार को केंद्र की आलोचना की और कहा कि इस कदम से केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे पहले सीमा से 15 किलोमीटर तक का क्षेत्र सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकार क्षेत्र में था। अब केंद्रीय गृह मंत्री ने इसे बढ़ाकर 50 किलोमीटर कर दिया है। ममता ने कहा कि पहले, हमारे पास अन्य देशों से राज्य में आने वाले लोगों और उनकी यात्रा के उद्देश्य के बारे में जानकारी उपलब्ध होती थी। लेकिन अब, वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री के अधीन गृह मंत्रालय इस तरह के आंकड़े साझा नहीं करता है या हमारी पुलिस को इसे एकत्र करने की अनुमति भी नहीं देता है। हिंसा में सीमा पार से तत्वों के शामिल होने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने सवाल किया कि बीएसएफ सीमा की निगरानी करती है, सीआईएसएफ भूमि बंदरगाह की। हमें इसमें क्यों घसीटा जा रहा है? तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक तत्व अगले साल होने वाले चुनावों से पहले स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ अपराधियों का इस्तेमाल दंगे भड़काने के लिए किया जाता है। आजकल पैसे से बहुत कुछ किया जा सकता है। ऐसे समय में कुछ नेता इस स्थिति से अपना हित साधना चाहते हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा देश और राज्य शांतिपूर्ण रहे। अभी रैलियों या बैठकों की कोई जरूरत नहीं है। ममता ने कहा कि चुनाव नजदीक आने पर इस तरह की 'भयावह साजिशें' हमेशा होती रहती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो इस तरह का खेल एक साल पहले ही शुरू हो जाता है, एजेंसियों का इस्तेमाल कर माहौल बिगाड़ा जाता है। मैंने कल ही इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति का नाम उजागर कर दिया है। मुझे लोगों की परवाह है, किसी और की नहीं। ममता ने मुर्शिदाबाद से आई कई खबरों 'फर्जी' बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा गलत सूचना फैलाने के लिए अपने आईटी सेल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास उनके पैसे से काम करने वाली बहुत सी एजेंसियां हैं। हमारे पास भी एक आईटी सेल है, लेकिन यह बहुत कमजोर है, इसके पास इतनी ताकत नहीं है। भाजपा के आईटी सेल में पश्चिम बंगाल को लेकर सनक है, वे जो खबरें फैलाते हैं उनमें से 99 प्रतिशत फर्जी होती हैं।

न्यायपालिका भारत के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती, 'सुपर संसद' के रूप में कार्य कर रही: धनखड़

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा निर्धारित करने और 'सुपर संसद' के रूप में कार्य करने को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर 'परमाणु मिसाइल' नहीं दाग सकता।

धनखड़ ने न्यायपालिका के प्रति यह कड़ी टिप्पणी राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए की। कुछ दिन पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समयसीमा तय की थी। उन्होंने ने कहा, '' हमारे पास

ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।'' उपराष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय को पूर्ण शक्तियां प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 142 को ''न्यायपालिका को चौबीसों घंटे उपलब्ध लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल'' करार दिया। उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है और (जो) न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है।'' संविधान का अनुच्छेद 142 उच्चतम न्यायालय को अपने समक्ष किसी भी मामले में ''पूर्ण न्याय'' सुनिश्चित करने हेतु आदेश जारी करने की शक्ति देता है। इस शक्ति को उच्चतम न्यायालय की ''पूर्ण शक्ति'' के रूप में भी जाना जाता है।

मानसरोवर यात्रा जल्द बहाल होगी, चीन के साथ विमान सेवा पर बनी 'सैद्धांतिक' सहमति : भारत

नयी दिल्ली : भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के जल्द ही दोबारा बहाल होने की उम्मीद है और इसकी तैयारियां की जा रही हैं। भारत और चीन पिछले वर्ष अक्टूबर में हुए समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग के दो शेष टकराव बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पूरी करने के बाद संबंधों को सुधारने के प्रयासों के तहत कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच उड़ान सेवाएं फिर से शुरू करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं और प्रासंगिक तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है। कैलाश मानस-रोवर यात्रा और उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने का कदम भारत और चीन द्वारा पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चार साल से अधिक समय से चल रहे सैन्य गतिरोध की वजह से प्रभावित संबंधों को सुधारने के प्रयासों का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हम शीघ्र ही कैलाश मानसरोवर यात्रा पर सार्वजनिक सूचना जारी करेंगे और यात्रा जल्द ही दोबारा शुरू होने की संभावना है।''

अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को पाकिस्तान को खाली कर देना चाहिए : भारत

नयी दिल्ली : भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर का पाकिस्तान के साथ एकमात्र संबंध यह है कि इस्लामाबाद केंद्र शासित प्रदेश के अवैध रूप से कब्जे वाले हिस्से को खाली कर दे। इसके साथ ही भारत ने क्षेत्र पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की टिप्पणी की कड़ी निंदा की। इस सप्ताह इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये जनरल मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान के ''गले की नस'' बताया था और कहा था कि कोई भी कश्मीर को उनके देश से अलग नहीं कर पाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''कोई विदेशी चीज गले में कैसे अटक सकती है? यह भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश है। पाकिस्तान के साथ इसका एकमात्र संबंध उस देश द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्रों को खाली कराना है।''

नेशनल हेराल्ड मामला: ईडी ने 661 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने की अनुमति मांगी

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े कथित धनशोधन मामले में हाल ही में दाखिल आरोपपत्र में 661 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का अनुरोध किया है, जिसे उसने जांच के दौरान कुर्क किया था। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने अभियोजन पक्ष की शिकायत (आरोपपत्र) में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बयान भी संलग्न किए हैं, जो उसने 2022 में उनसे पूछताछ के दौरान दर्ज किए थे। सूत्रों ने कहा कि ऐसा माना जाता है कि दोनों नेताओं ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है और कहा है कि यंग इंडियन (वाईआई) द्वारा एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) का अधिग्रहण व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं था। आरोपपत्र में 78 वर्षीय राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी को आरोपी नंबर एक और उनके बेटे राहुल गांधी (54) को आरोपी नंबर दो के रूप में नामित किया गया है, इसके अलावा पांच अन्य का नाम भी आरोपियों के रूप में दर्ज है। ईडी ने नौ अप्रैल को यहां एक सक्षम अदालत के समक्ष आरोपपत्र दाखिल किया था, जो सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई करती है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले प्रदेश अध्यक्षों का चयन करेगी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले आने वाले दिनों में पार्टी की कई प्रदेश इकाइयों के प्रमुखों का चयन कर सकती है। भाजपा सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह तथा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने पिछले कुछ दिनों में विचार-विमर्श किया है, जिससे इस बात के संकेत मिलते हैं कि ज्यादातर राज्यों में संगठनात्मक बदलाव के लिए जारी कवायद जल्द ही पूरी हो जाएगी। भाजपा के संविधान के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने से पहले पार्टी को अपनी 37 प्रदेश इकाइयों में से 19 में संगठनात्मक चुनाव पूरे करने होंगे और नये अध्यक्षों की नियुक्ति करनी होगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भाजपा ने बूथ स्तर से लेकर संगठन स्तर तक विभिन्न स्तरों पर नये पदाधिकारियों के चुनाव से पहले पिछले साल सितंबर में अपना राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान शुरू किया था, जिसके बाद से अब तक करीब 15 प्रदेश इकाइयों के नये अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, पार्टी ने उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और गुजरात जैसे कई बड़े राज्यों में अपने नये प्रदेश अध्यक्ष का चयन अभी भी नहीं किया है।

दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर वक्फ अधिनियम के लिए आभार जताया

नयी दिल्ली : दाऊदी बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर वक्फ (संशोधन) अधिनियम के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया, जिसमें उनकी कुछ प्रमुख मांगों को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि समुदाय के सदस्यों ने मोदी से कहा कि यह मांग वे लंबे समय से कर रहे थे क्योंकि उन्हें 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के उनके दृष्टिकोण पर भरोसा है। बैठक में उनके साथ अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू भी थे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों के साथ अच्छी

बैठक हुई। हमने बातचीत के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की। बातचीत में समुदाय के एक सदस्य ने मोदी को बताया कि उनका समुदाय 1923 से ही वक्फ नियमों से छूट की मांग कर रहा था। उन्होंने नए कानून के माध्यम से ''अल्पसंख्यक के भीतर अल्पसंख्यकों'' का ध्यान रखने के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की। इस दौरान एक अन्य सदस्य ने कहा कि उनके समुदाय ने 2015 में मुंबई स्थित भिंडी बाजार में एक परियोजना के लिए एक महंगी संपत्ति खरीदी थी और बाद में नासिक के एक व्यक्ति ने 2019 में वक्फ संपत्ति के रूप में इस पर दावा कर दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि उनकी सरकार ने इस तरह के चलन पर रोक लगा दी है। दाऊदी बोहरा समुदाय शिया मुसलमानों में एक समृद्ध लेकिन कम आबादी वाला समुदाय है। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति के समक्ष समुदाय का प्रतिनिधित्व प्रसिद्ध वकील हरीश साल्वे ने किया था।

चोरी व कुप्रबंधन पर अंकुश जरूरी

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024-25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है। ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आ-पदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है। राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, भिखीविंड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं। भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निष्क्रिय करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है। आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है। दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकट यहीं खत्म नहीं हो जाता। पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थागत संकटों से भी गंभीर रूप से जूझ रहा है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन काम कर रहे हैं। अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं। बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए।

दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारी न होने के कारण विभागीय कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है। जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती। फलत: लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है। विभाग में पक्के मुलाजिमों की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है। जिसके चलते संविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है। वे खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं। उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है। जानकार मानते हैं कि सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी। हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है। लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट के निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा-शक्ति को दर्शाया जाएगा। समय की मांग है कि भारी घाटे वाले फीडरों में वित्तीय प्रबंधन के लिये लक्षित कार्रवाई की जाए। साथ ही लोगों को ईमानदारी से बिजली के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि छेड़छाड़ न किये जा सकने वाले स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा। इस दिशा में उठाए गए कदम समस्या का वास्तविक निस्तारण करने वाले होने चाहिए। साथ ही बिजली चोरी रोकने के लिये सख्त दंड का भी प्रावधान किया जाना जरूरी है। बिजली चोरी में लिप्त लोगों की पहचान होने पर उन्हें दंडित किया जाना जरूरी है। साथ ही ऐसे लोगों को मुफ्त बिजली पाने की योजना का लाभ उठाने के अधिकार से भी वंचित किया जाना चाहिए। दरअसल, सख्त व पारदर्शी दंड व्यवस्था ही चोरी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगा सकती है। पीएसपीसीएल को अधिक नुकसान नहीं उठाना चाहिए, जबकि पंजाब पहले ही कर्ज का बोझ उठाने वाले राज्यों में दूसरे स्थान पर है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 18 अप्रैल, शुक्रवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन कृष्णपक्ष पंचमी, 17:04 तक , नक्षत्र : ज्येष्ठा, 08:12 तक , योग : परिघा, 24:55 तक , सूर्योदय: 5:14, सूर्यास्त: 17:58, चन्द्रोदय : 22:48, चन्द्रास्त: 08:32, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 10:01 से 11:36

राशिफल

मेष : आज उच्च शिक्षा के अवसर मिलेंगे। धार्मिक और अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर काफी गम्भीर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में अपना प्रभाव बनाये रखें।

वृष : आज मौसम में आ रहे परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है। नियमित योग और व्यायाम अवश्य करें। ब्लडप्रेशर और शुगर के रोगियों को तनाव लेने से बचना चाहिये।

मिथुन : आज दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। किसी परिचित के माध्यम से आपको बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आपको आय के नये विकल्प मिल सकते हैं। जॉब में आपको पदोन्नति मिल सकती है।

कर्क : आज काफी दिन के बाद लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। महिलायें घरेलू व्यापार आरम्भ करने का विचार बनायेंगी।

सिंह : आज किसी करीबी लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। महिलायें घरेलू व्यापार आरम्भ करने का विचार बनायेंगी।

कन्या : आज किसी करीबी व्यक्ति के साथ वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं। उधार धन लेने से आज आपको बचना चाहिये। व्यापार को लेकर बड़े समझौते आज न करें।

तुला : आज परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बना सकते हैं। नये कार्यों के प्रति समर्पण भाव रहेगा। आज आपको कुछ गुप्त बातें पता लग सकती है।

वृश्चिक : आपकी प्रतिष्ठा में आज वृद्धि होगी। आप रचनात्मक कार्यों में रुचि ले सकते हैं। आपकी वाणी में ओजस्विता रहेगी। जिससे लोग आपसे काफी आकर्षित रहेंगे।

धनु : आप आज व्यापार के घाटा को पूरा करने के लिये प्रयासरत रहेंगे। आपको लोगों की सराहना भी प्राप्त होगी। रुकी परियोजनाओं को पुनः प्रारम्भ कर सकते हैं।

मकर : आज सेहत को लेकर समस्या हो सकती है। लम्बी दूरी की यात्रा आपको नहीं करनी चाहिये। गलत संगति की वजह से आपकी छवि खराब हो सकती है।

कुम्भ : आज आपकी कई समस्याएं दूर होंगी। आज आपकी प्रशंसा हो सकती है। अपने व्यवहार में लचीलापन बनाये रखें। समय रहते गलतियों से सीख लेने का प्रयास करें।

मीन : बेवजह धन खर्च न करें। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त होगा। सामाजिक कार्यों में विशेष ध्यान देंगे।

नया वक्फ कानून जरूरी, तुष्टिकरण विपक्ष की मजबूरी

प्रदीप कुमार वर्मा

भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र की एनडीए सरकार की ओर से लाया गया वक्फ अधिनियम 1995 संशोधन बिल देश की संसद में पारित होकर भले ही कानून बन गया है लेकिन कानून बनने के बाद भी यह लगातार चर्चा में है। वजह, इस नए वक्फ कानून को लेकर कुछ मुस्लिम संगठन लगातार देशव्यापी विरोध कर रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू हुआ विरोध अब उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र एवं पश्चिम बंगाल से लेकर अन्य राज्यों तक जा पहुँचा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा शुरू किए गए इस विरोध को कांग्रेस, सपा, राजद एआइएमआइएम तथा टीएमसी की ओर से घोषित एवं अघोषित रूप से खासा समर्थन मिल रहा है। भाजपा जहां नए वक्फ कानून के जरिए इसे मुसलमानों के लिए और अधिक उपयोगी तथा हितकारी बनाना चाहती है, वहीं, विपक्ष द्वारा इस नए कानून को हथियार बनाकर अपनी राजनीतिक विचारधारा और परंपरा के मुताबिक बिहार एवं पश्चिम बंगाल चुनाव में अपने परंपरागत वोट बैंक की खातिर मुस्लिम तुष्टिकरण को एक बार फिर से बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड के संबंध में लाया गया वक्फ अधिनियम 1995 संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित होने तथा महामहिम राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद अब कानून बन गया है । इस कानून के संबंध में केंद्र सरकार सहित भाजपा एवं एनडीए में शामिल अन्य राजनीतिक दलों का कहना है कि इस नए कानून के आने के बाद वक्फ बोर्ड के कामकाज में सुधार होगा तथा मुसलमानों के कल्याण के लिए इसकी मूल संकल्पना भी साकार हो सकेगी। इस कानून के जरिए वक्फ की ओर से संपत्ति के दावों की जांच के साथ बोर्ड में महिलाओं को जगह देने का प्रावधान है। इसके साथ ही नए वक्फ कानून का मकसद वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता लाना भी है। राजनीति एवं कानून के जानकारों के मुताबिक नए वक्फ कानून ने पुराने वक्फ कानून के कई खंडों को रद्द करना भी है। जिसको लेकर ही सारा बवाल मचा है। इसके विपरीत कांग्रेस, समाजवादी पार्टी,टीएमसी एवं राष्ट्रीय जनता दल सहित अन्य विपक्षी पार्टियां नए वक्फ कानून को मुसलमानों के हितों के विरुद्ध बताकर इसका विरोध कर रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने उनके राज्यों में नए वक्फ कानून को लागू नहीं होने देने का ऐलान भी किया है। विपक्षी दलों के विरोध का आलम यह है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा वक्फ संशोधन बिल से लेकर उसके कानून बनने के विरोध में यह सभी पार्टियों भाग लेकर विरोध का परोक्ष एवं अपरोक्ष रूप से समर्थन कर रहीं हैं।इससे पूर्व पटना में वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के नेता एवं बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव कह चुके हैं कि यह विधेयक गैर संवैधानिक है तथा देश में भाईचारे को खत्म करने की कोशिश है। लोकतंत्र और भाईचारे को खत्म करने की कोशिश हो रही है। यही नहीं तेजस्वी ने कहा कि इस गैर संवैधानिक बिल का विरोध जरूरी है। उधर, एआईएमआईएम के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने नए वक्फ कानून को लेकर मुसलमानों को एक तरह से भड़काने का काम किया है। ओवैसी का कहना है कि इस नए कानून के जरिए सरकार की कोशिश वक्फ की जमीन, मस्जिद एवं कब्रिस्तान को छीनने की है जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम सबको नए वक्फ कानून के खिलाफ एकजुट होना होगा। इस विरोध प्रदर्शन में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एवं तेजस्वी यादव के शामिल होने को इस साल के आखिर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से जोड़ा जा रहा है। वहीं, राजनीति के पंडितों का मानना है कि ममता बनर्जी द्वारा पश्चिम बंगाल में नए वक्फ कानून को लागू नहीं होने देने के ऐलान के पीछे भी मुस्लिम तुष्टिकरण तथा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव ही हैं। मीडिया रिपोर्ट तथा एक अनुमान के मुताबिक रेलवे और रक्षा विभाग के बाद वक्फ बोर्ड कथित तौर पर भारत में तीसरा सबसे बड़ा भूमि धारक है। देश के विभिन्न वक्फ बोर्ड समूचे देश में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करते हैं जिनकी कुल अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। केंद्र सरकार का कहना है कि वक्फ की संपत्तियों पर मुस्लिम समाज के कुछ प्रभावशाली लोगों ने अघोषित तौर पर कब्जा कर रखा है जिससे वक्फ के प्रावधानों के मुताबिक गरीब मुसलमानों को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है। केंद्र सरकार के मुताबिक नए वक्फ बिल के अमल में आने के बाद अब वक्फ की संपत्तियों को कब्जा से मुक्त कराया जा सकेगा तथा इनका बेहतर रख रखाव भी संभव होगा। यही नहीं, वक्फ बिल के प्रावधानों में संशोधन का सीधा लाभ गरीब तबके के मुसलमान को मिल सकेगा। राजनीति के पंडितों का मानना है कि राष्ट्रीय जनता दल का यह कदम बिहार चुनाव में एम वाई समीकरण को फिर से मजबूत कर सत्ता प्राप्ति की कोशिशें में शामिल है। यही नहीं, वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी सपा को भी यही एम वाई समीकरण मजबूती प्रदान करेगा। इसके साथ ही इस विरोध प्रदर्शन को समर्थन देने के बहाने कांग्रेस की कोशिश भी अपने परंपरागत वोट बैंक को भी एक बार फिर से साधने की ही है। सियासी गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि बिहार सहित पूरे देश मे होने वाले संभावित ध्रुवीकरण का लाभ भी चुनावी राजनीति के लिहाज से केंद्र की गद्दी पर काबिज भाजपा को भी मिलेगा। कुल मिलाकर देश में बह रही हिंदुत्व की हवा के बीच में नए वक्फ कानून ने एक बार फिर से हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा छेड़ दिया है। फिलहाल नए वक्फ कानून को लेकर करीब तीन दर्जन याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं की सुनवाई बुधवार से शुरू भी कर दी है। इसके साथ ही देश के साथ सूबों की सरकारों ने भी नए कानून के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी आवाज बुलंद की है। इस पूरे मामले में मुस्लिम धर्म के मौलानाओं के बाद अब हिंदू धर्म के संत, महंत एवं धर्माचार्य ने भी एंट्री कर ली है। हिंदू धर्म आचार्य एवं प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर एवं आचार्य रामभद्राचार्य ने भी पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर हिंदुओं के जागने की बात कहकर नए वक्फ कानून के नाम पर मुस्लिम तुष्टिकरण को एक बार फिर बहस का मुद्दा बना दिया है।

नफरत, घृणा और हिंसा की राजनीति का बढ़ता वर्चस्व

बाल मुकुन्द ओझा

देश में इस समय नफरत की बयार बह रही है जिसे थामने वाला कोई सर्वमान्य व्यक्ति दूर दूर तक नज़र नहीं आ रहा है। देश में साधारण से लेकर असाधारण घटना के घटित होते ही बयान वीरों के तरकश से नफरत और घृणा के तीरों की बाढ़ सी लग जाती है। हिंसा के साथ मारों - काटों की गूंज सुनाई देने लगती है। वक्फ कानून विरोधी आंदोलन में मुर्शिदाबाद सहित कई स्थानों पर जबरदस्त हिंसा हैरान करने वाली है। एक पक्ष जहां इस हिंसा में बांग्ला देशी लोगों का हाथ बता रहे है तो दूसरा पक्ष भाजपा को जिम्मेदार बताने से नहीं चूक रहे है। कुछ भी हो मगर हिंसा किसी भी स्थिति में बर्दास्त नहीं की जा सकती। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण आंदोलन की इजाजत हमारा संविधान देता है, मगर दंगा करने की बात स्वीकार नहीं की जा सकती। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दंगाइयों से डंडे से निपटने की बात कही तो बंगाल की मुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए योगी को ही भोगी ठहरा दिया। इसी के साथ पक्ष और विपक्ष के नेत-ाओं के परस्पर नफरती बयानों की झड़ी लग गई। आश्चर्य की बात तो यह है ममता इमामों के साथ तो तुरतफुरत में खड़ी हो गई मगर पीड़ित हिन्दू समुदाय से बात करने का समय अब तक नहीं मिला। इसी भांति नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया, राहुल गाँधी के खिलाफ ईडी की कार्यवाही से कांग्रेसी भड़क गए और देशव्यापी आंदोलन का शंखनाद कर दिया। आंदोलन करने का अधिकार सब को है मगर किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नफरत और घृणा फैलाना किसी भी स्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता। कई बार ऐसे बयानों से हमारा सिर शर्म से झुक जाता है।

गंगा जमुनी तहजीब से निकले देशवासी नफरत और घृणा के तूफान में बह रहे हैं। विशेषकर नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद घृणा और नफरत के तूफानी बादल गहराने लगे है। हमारे नेताओं के भाषणों, वक्तव्यों और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुचिता के स्थान पर नफरत, झूठ, अपशब्द, तथ्यों में तोड़-मरोड़ और असंसदीय भाषा का प्रयोग धड़ल्ले से होता देखा जा सकता हैं। हमारे नेता अब आए दिन सामाजिक संस्कारों और मूल्यों को शर्मसार करते रहते हैं। स्वस्थ आलोचना से लोकतंत्र सशक्त, परंतु नफरत भरे बोल से कमजोर होता है, यह सर्व विदित है। आल-ोचना का जवाब दिया जा सकता है, मगर नफरत के आरोपों का नहीं। चुनाव आते ही हमारे नेताओं की बांछे खिल जाती है। मंच और भीड़ देखते ही सियासत की तकदीर लिखने लगते है। भाषणों में नफरत के तीर चलने लग जाते है। बंद जुबाने खुल जाती है। सियासी शत्रुता के गुब्बार फूटने लगते है। नीतियों और मुद्दों की बाते गौण हो जाती है।

अब नफरत और घृणा पर भी घमासान हो रहा है। अक्सर यह देखा जाता है न्यूज़ चैनलों की बहस और चर्चा में भाषा की मर्यादा ताक पर रख दी जाती है। कार्यक्रम संचालकों-प्रस्तोताओं को टीआरपी बटोरने के लिए नाना प्रकार से प्रेरित किया जाता है। ऐसे में उग्र और नफरत चर्चा और आरोप प्रत्यारोपों को रोकने के बजाय उसे और भड़का दिया जाता है। इससे सार्थक चर्चा नहीं हो पाती और पूरा समय गंदे बोलों के बीच समाप्त हो जाता है। लगता है इन चर्चाओं में भाग लेने के लिए ऐसे लोगों को बुलाया जाता है जो अपने निम्न स्तरीय बयानों के लिए जाने जाते है। आज छोटे से लेकर बड़े नेता तक ने जैसे नफरत फैलाने का ठेका ले लिया है। चुनाव के दौरान इसका अधिक उपयोग होने लगा है। घृणा की इस बहती गंगा में हाथ धोने से कोई भी नहीं चूक रहा है। समूचे ब्रम्हांड में जैसे घृणा के काले पीले बादल मंडरा रहे है। देश में नफरत की भावना का प्रसार बड़ी तेजी से हो रहा है। या यूँ कहे समाज में कुछ लोग ऐसे है जो किसी भी हालत में सद्भावना और प्यार महोब्बत को मिटाने पर तुले हुए है। इनमें उनके निहीत स्वार्थ है। इस दौरान एक बार फिर आर्थिक मंदी, अर्थव्यवस्था में सुधार, महंगाई और युवाओं को रोजगार और विकास कहीं पीछे छूट गए है। देशवासी भी इन मुद्दों पर कोई ज्यादा गंभीर दिखाई नहीं देते। सियासी बोलों पर तालिया पीटने के आदि हो गए है हम।

आज पक्ष और विपक्ष में मतभेद और मनभेद की गहरी खाई है। यह अंधी खाई हमारी लोकतान्त्रिक परम्पराओं को नष्ट भ्रष्ट करने को आतुर है। भारत सदा सर्वदा से प्यार और मोहब्बत से आगे बढ़ा है। हमारा इतिहास इस बात का गवाह है हमने कभी नफरत को नहीं अपनाया। हमने सदा सहिष्णुता के मार्ग का अनुसरण कर देश को मजबूत बनाया।

विदेश की खबरें

पाकिस्तान 1971 के अत्याचार के लिए माफी मांगे : बांग्लादेश

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 15 वर्ष बाद विदेश सचिव स्तरीय चर्चा

ढाका : बांग्लादेश ने ''ऐतिहासिक रूप से अनसुलझे मुद्दों'' को उठाया और 1971 के अत्याचारों के लिए पाकिस्तान से सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की। बांग्लादेश ने यह मुद्दा बृहस्पतिवार को यहां 15 वर्षों में पहली बार पाकिस्तान के साथ विदेश सचिव स्तर की वार्ता के दौरान उठाया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 में स्वतंत्र होने से पहले की संयुक्त परिसंपत्तियों में से अपने हिस्से के रूप में 4.3 अरब अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने को भी कहा। बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन ने अपनी पाकिस्तानी समकक्ष आमना बलूच के साथ विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हमने पाकिस्तान के साथ ऐतिहासिक रूप से अनसुलझे मुद्दों को उठाया है।'' बांग्लादेश ने यह मुद्दा ऐसे समय उठाया है जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार 27 को दो दिवसीय दौरे पर ढाका आ रहे हैं। उद्दीन ने संवाददाताओं से कहा कि जिन मुद्दों को उठाया गया है, उनमें ''यहां फंसे हुए पाकिस्तानियों की वापसी, अविभाजित संपत्तियों का न्यायसंगत बंटवारा, 1970 के चक्रवात के पीड़ितों के लिए भेजी गई विदेशी सहायता राशि का हस्तांतरण और 1971 में तत्कालीन पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए औपचारिक रूप से सार्वजनिक माफी'' शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी को 'विक्ट्री डे' समारोह के लिए आमंत्रित किया गया, जवाब का इंतजार है: रूस

मॉस्को : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नौ मई को रूस की राजधानी मॉस्को में होने वाले 'विक्ट्री डे' समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है लेकिन भारत की ओर से इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। रूस के राष्ट्रपति भवन 'क्रेमलिन' के एक शीर्ष सहयोगी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रूस नौ मई को द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर विजय का जश्न मनाता है और इस वर्ष उसने 80वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेने के लिए चुनिंदा मित्र देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है। इन नेताओं में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी शामिल हैं, जिन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। 'रशियन स्टेट टीवी' ने क्रेमलिन के विदेश सहयोगी यूरी उशाकोव के हवाले से कहा, ''प्रधानमंत्री को नौ मई के लिए आमंत्रित किया गया है, लेकिन अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।'' क्रेमलिन में रूस-कतर शिखर सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उशाकोव ने कहा कि इस वर्ष ''नियमित शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने की हमारी बारी है'' और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा के लिए चर्चा चल रही है।

भारत-ब्रिटेन रक्षा परामर्श समूह ने संबंधों की समीक्षा की, सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई

लंदन : लंदन में इस हफ्ते आयोजित 24वीं भारत-ब्रिटेन रक्षा परामर्श समूह बैठक में रक्षा उद्योग सहयोग बढ़ाने और 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देते हुए रक्षा संबंधों की समीक्षा की गई। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और उनके ब्रिटिश समकक्ष ने डेविड विलियम्स ने इस बैठक की सह-अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और गहरा करना था। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों ने सोशल मीडिया पर इस नियमित बैठक के सफल आयोजन की पुष्टि की। भारत के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और ब्रिटेन के उनके समकक्ष डेविड विलियम्स ने लंदन में 24वीं भारत-ब्रिटेन रक्षा परामर्श समूह बैठक की सह-अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और गहरा करना था। बयान में कहा गया है, बैठक में जिन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया, उनमें रक्षा उद्योग सहयोग का विस्तार करना और खासतौर पर विशिष्ट एवं उभरती प्रौद्योगिकियों में 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देना शामिल है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विमानवाहक पोत 'एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स' की तैनाती की तैयारियों को अंतिम रूप दिए जाने की घोषणा की है।

वर्ग पहेली नं. 3066

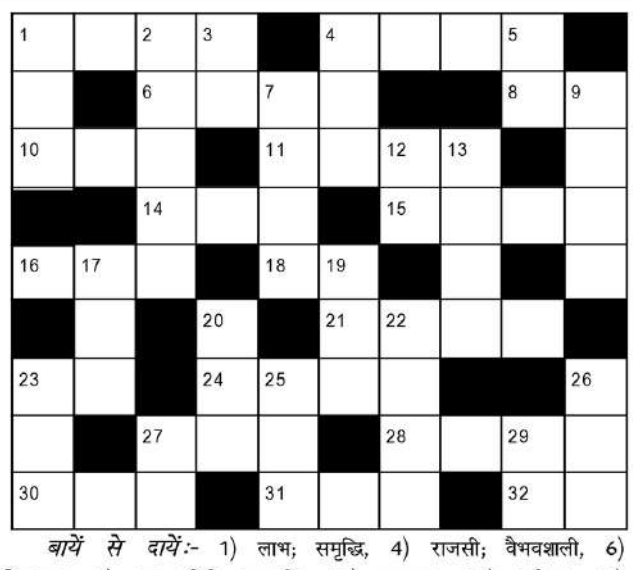

1		2	3	■	4			5	■
	■	6		7		■	■	8	9
10			■	11		12	13	■	
■	■	14			■	15			
16	17		■	18	19	■		■	
■		■	20	■	21	22			■
23		■	24	25			■	■	26
	■	27			■	28		29	
30			■	31			■	32	

बायें से दायें:- 1) लाभ; समृद्धि, 4) राजसी; वैभवशाली, 6) रोब-दाब, 8) एक मीठी वनस्पति, 10) कृतज्ञता, 11) रसीला, 14) जँवाई, 15) हस्तिमुख, 16) नटखट *(बालक)*, 18) फलों का निचोड़ा हुआ तरल अंश, 21) ढूंढ़ना, 23) ब्याज, 24) सपाट, 27) सब, 28) वक्रता, 30) नेस्तनाबूदी; विनाश, 31) पेचीदा; मुश्किल, 32) खाली.

ऊपर से नीचे:- 1) छोटा ख़ानेदार थैला, 2) गुणग्राहक, 3) बाद में, 4) एक प्रशंसासूचक शब्द, 5) मथानी, 7) हर ओर, 9) पोस्त का दाना, 12) धब्बा, 13) चंद्रमा, 17) चेतावनी, 19) निरंतर, 20) भारत का एक राज्य, 22) हाथ में लटकाने लायक चिमनीदार लैंप, 23) उपाय; रूप, 25) सिर, 26) जनसमूह, 27) सच; हस्ताक्षर, 29) अप्सरा.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

मि	ला	■	मं	■	अं	जा	म	■	ब
ली	■	■	श	य	द	■	ना	दा	र
भ	गा	ना	■	शो	र	बा	■	■	बा
ग	■	प	रिं	दा	■	ल	ज्जा	प्र	द
त	न	ना	■	■	सा	म	■	ख्या	■
■	र	■	क	र्द	म	■	प	त	ला
ज	म	घा	ट	■	ना	दा	नी	■	■
ल	■	■	ह	म	■	म	र	ह	म
ना	■	ग़	ल	त	बी	न	■	क़	र्ज़

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3026

		6	5				1	2
4					7			
3						7	5	
8			2	1				
				9	4	3		
	1							
						4		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3025 का उत्तर

7	8	4	3	9	5	1	6	2
2	6	1	7	4	8	5	9	3
9	5	3	6	1	2	7	4	8
6	4	9	5	3	1	8	2	7
8	3	7	2	6	4	9	5	1
5	1	2	8	7	9	6	3	4
3	7	8	9	2	6	4	1	5
4	2	6	1	5	7	3	8	9
1	9	5	4	8	3	2	7	6

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री का अनुरोध ठुकराया, कहा...

'मैं खुद जाकर मुर्शिदाबाद की हकीकत देखूंगा, पीड़ितों के लिए मिलकर करेंगे काम'

❑ **'कुछ और दिन करें इंतजार', ममता ने राज्यपाल से मुर्शिदाबाद दौरा टालने की थी अपील**

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस से हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले का प्रस्तावित दौरा स्थगित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और विश्वास बहाली के उपाय किए जा रहे हैं। इस दिन, ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय नवान्न में संवाददाताओं से कहा कि मैं गैर-स्थानीय लोगों से अनुरोध करूंगी कि वे अभी मुर्शिदाबाद का दौरा न करें। उन्होंने कहा कि मैं राज्यपाल से कुछ और दिन प्रतीक्षा करने की अपील करूंगी क्योंकि विश्वास बहाली के उपाय किए जा रहे हैं। स्थिति सामान्य हो रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का फिलहाल दौरा नहीं करने का निर्णय लिया है ताकि राजनीतिक दलों को अपने को बड़ा साबित करने की होड़ से बचा जा सके। ममता ने कहा कि मैं वहां जा सकती थी, लेकिन तब अन्य लोग कहते कि वे भी जाएंगे, परंतु अभी स्थिति अनुकूल नहीं है। मुर्शिदाबाद में अशांति की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया है। मैं उचित समय पर जिले का दौरा करूंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीड़ितों के घरों का पुर्ननिर्माण करेगी। प्रशासन मुर्शिदाबाद के लोगों का विश्वास बहाल करने की कोशिश कर रहा है। मैं राज्यपाल से अनुरोध करूंगी कि वह अभी दंगा प्रभावित जिले का दौरा न करें।

हालांकि, राज्यपाल बोस मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अनुरोध को दरकिनार करते हुए शुक्रवार को हिंसा प्रभावित मालदह और मुर्शिदाबाद जिलों का दो दिवसीय दौरा करेंगे। राज्यपाल ने मुर्शिदाबाद हिंसा के कुछ पीड़ितों से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि स्वयं जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए वह कुछ क्षेत्रों का दौरा करेंगे और लोगों से मुलाकात करेंगे। राज्यपाल आज सुबह मालदह के लिए रवाना होंगे। इससे पहले गुरुवार की राजभवन के एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल आज सुबह मालदह के लिए रवाना होंगे और उन शिविरों का दौरा करेंगे जहां मुर्शिदाबाद से आए शरणार्थी रह रहे हैं। इसके बाद, वह मुर्शिदाबाद के दंगा प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना होंगे और शुक्रवार रात या शनिवार सुबह वापस लौटेंगे। इस दिन, राज्यपाल बोस ने कहा कि मुख्यमंत्री के अनुरोध को पूरी गंभीरता से लिया जाएगा, लेकिन मुर्शिदाबाद के पीड़ितों, विशेषकर महिलाओं से मिलने के बाद वह स्वयं जमीनी स्थिति का आकलन करने जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि यदि शांति बहाल हो जाती है, तो मुझे बहुत खुशी होगी। एक बार जब मुझे एहसास हो जाएगा कि शांति बहाल हो गई है, तो मैं सबसे खुश व्यक्ति होऊंगा और उसी के अनुसार अपनी रिपोर्ट तैयार करूंगा। बोस ने संकेत दिया कि वह केंद्र को स्थिति के बारे में अद्यतन जानकारी देते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने उनसे मुलाकात कर अनुरोध किया है कि वहां सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की शिविर स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले की सभी पहलुओं पर उच्चतम स्तर पर जांच की जानी चाहिए।

हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के पीड़ितों ने राज्यपाल से की मुलाकात

❑ **पीड़ितों ने राज्यपाल को बताई आपबीती**
❑ **सुरक्षा सुनिश्चित एवं हिंसा को रोकने के लिए क्षेत्र में स्थायी बीएसएफ शिविर स्थापित की मांग**

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय मंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार गुरुवार को मुर्शिदाबाद में हालिया दंगों के कारण बेघर हुए लोगों के एक समूह को राजभवन ले गए, जहां उन्होंने राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस को अपनी व्यथा सुनाई। प्रभावित लोगों ने राज्यपाल से उनकी नौकरी, आर्थिक मुआवजे और सुरक्षा के लिए स्थायी केंद्रीय

बल व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। पीड़ित कथित रूप से हमला किये जाने और अपने घरों से बाहर निकाले जाने के बाद राहत शिविरों में रह रहे हैं। पीड़ितों ने राज्यपाल को बताया कि किस प्रकार उनके सामान लूट लिये गये और घरों, दुकानों तथा संपत्तियों में आग लगा दी गयी, जिससे उन्हें केंद्रीय बलों की मदद से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। पीड़ितों ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आगे हिंसा को रोकने के लिए क्षेत्र में एक स्थायी बीएसएफ शिविर स्थापित करने की मांग की। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि उन्हें सरकारी नौकरी दिलाने में मदद की जाए, साथ ही आर्थिक मुआवजा भी सुनिश्चित किया जाए ताकि वे अपना जीवन फिर से शुरू कर सकें। बैठक से पहले राज्यपाल बोस ने संवाददाताओं से कहा कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है। मुझे उन पीड़ितों के प्रति पूरी सहानुभूति है जिन्होंने अपने घर और आजीविका खो दी है। मैं उनकी शिकायतें सुनने और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए उनसे मिलूंगा। भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि ये लोग लक्षित हिंसा के शिकार हैं। राज्य सरकार उन्हें बचाने में विफल रही है।

ममता अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की वजह से 'दंगाइयों' को बचा रहीं : भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया

नयी दिल्ली/कोलकाता : भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राज्य में मुस्लिम मौलवियों के साथ बैठक को लेकर गुरुवार को आलोचना की। केंद्र ने ममता पर अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अल्पसंख्यक समुदाय को खुश करने के लिए 'दंगाइयों' को संरक्षण देने का आरोप लगाया। इस दिन, दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि (सांप्रदायिक हिंसा के) पीड़ितों के साथ रहने के बजाय मुख्यमंत्री तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं और दंगाइयों को संदेश दे रही हैं कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह उनके साथ हैं। भाटिया ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए 'अपने समुदाय' के सदस्यों को एक 'बड़ा संदेश' देने के लिए दंगाइयों को संरक्षण दे रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदू समाज और हर पीड़ित परिवार के साथ मजबूती के खड़ी है। हम सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें न्याय मिले। भाटिया ने पश्चिम बंगाल में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लागू करने से इनकार करने के लिए भी ममता बनर्जी की आलोचना की। उन्होंने सवाल किया कि जब उक्त कानून संसद द्वारा पारित किया जा चुका है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सहमति के बाद केंद्र द्वारा अधिसूचित किया गया है तो संविधान की शपथ लेने वाली एक मुख्यमंत्री ऐसा कैसे कह सकती हैं।

Office Of The Executive Officer
KHEJURI-I PANCHAYAT SAMITY
Kamarda Bazaar :: Purba Medinipur
NIT No- WB/EO/KH-I/02/2025-26
Tender ID: 2025_ZPHD_836756_1. Corrigendum Notice issued by the Executive Officer, Khejuri-I Panchayat Samity, of 1 Scheme etc. Details may be had in website- https://wbtenders.gov. in & https://purbamedinipur.gov.in
Sd/-, Executive Officer
Khejuri -I Panchayat Samity

Name Change
I, Salemul Hoda (old name) S/O Mohd Akhtar Siddiqui, residing at Ward-12, Banaul, Tole-Baluaha, Banaul, Sitamarhi, Banaul, Bihar, Pin- 843326, India, have changed my name and shall henceforth be known as Salimul Huda Siddiqui (new name) as declared before the notary public at kolkata, dated 16/04/2025. Salimul Huda Siddiqui (new name) and Salemul Hoda (old name) both are same and identical person.

मेट्रो रेलवे, कोलकाता
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/टेली, मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा खुली निविदा के प्रतिपक्ष ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा खोलने की तिथि 07.05.2025 **को** 15.30 **बजे** है। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस प्रकार प्राप्त कोई भी मैन्युअल प्रस्ताव मान्य नहीं है। **कार्य का नाम :** केएनएपी और केएमयूके से मेट्रो रेलवे सुरंग की भारी मरम्मत और पुनरुद्धार तथा केकेएचजी, केईएसपी और केसीडब्ल्यूसी में सेवा भवनों के विस्तृत नवीनीकरण के संबंध में दूरसंचार कार्य। **निविदा लागत :** रु.29,42,245.25, **बयाना राशि :** रु. 58,900/-, **कार्य समापन :** बारह (12) माह। निविदा वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदाकार के पास क्लास-III डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट अवश्य रहे एवं आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर पन्जीकृत रहे। केवल पन्जीकृत निविदाकार इ-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। इ-निविदा में भाग लेते समय सभी संबंधित कागजात अवश्य अपलोड किए जाएं।
निविदा सूचना सं.: सं व दूसं/कार्य_26-2024
हमें यहाँ देखें: /metrorailwaykol /metrorailkolkata

Balarampur Development Block
P.O.-Rangadih, Dist.-Purulia, Pin-723143 (W.B.)
NOTICE INVITING 01 NO. E-TENDER NO.
WB/BDO/BLR NIeT-01/2025-26, Date - 17.04.2025
E-Tender are invited by the undersigned from the bonafied contractor for **01 no. Construction work under Balarampur Development Block.**
Period for downloading of bid documents **18.04.2025 from 10.00 A.M. up to 01.05.2025 to 6.00 P.M.** End date of submission of bid document **up to 01.05.2025 to 6.00 P.M.** and the time & date of opening of Technical bid **on 05.05.2025 at 11.00 A.M.** The Financial bid to be notified.
For details intending participant may contact to the office of the undersigned or visit website www.wbtenders.gov.in in any working day before the last date for submission of bid documents.
Sd/-
Block Development Officer
Balarampur Development Block

OFFICE OF THE PURULIA-II PANCHAYET SAMITY
Vill. Bongabari, P.O. : V-Nagar, Dist. : Purulia (W.B.) ; Mobile No. 8373068635, E-mail ID : bdoeopurulia2@gmail.com
e-Tender is being invited by the Executive Officer, Purulia-II of Village : Bongabari, Post : V. Nagar, Dist : Purulia, for the various developmental work under Purulia-II PS vide **Tender Notice (eNIT) No. : WBPUR/EO/P-II/NIT(e)-11/ 2024-25 (2nd Call).** For more details requisting to the follow the Office Notice Board, **www.wbtenders.gov.in** & **www.purulia.gov.in** or may contact General Section of the undersigned on office day & time.
Sd/-
Executive Officer
Purulia-II Panchayet Samity

पुलिस ने मुर्शिदाबाद हिंसा में पिता-पुत्र की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता को किया गिरफ्तार

❑ **जांच का कार्यभार संभालने के 24 घंटे के भीतर कार्रवाई, एडीजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार का दावा**
❑ **दंगों के सिलसिले में अब तक 278 गिरफ्तार, 85 परिवार आए वापस**

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल पुलिस ने वक्फ अधिनियम के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के दौरान मुर्शिदाबाद जिले के जाफराबाद में एक पिता और पुत्र की नृशंस हत्या के एक साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया है, जिससे अब तक गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या तीन हो गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस दिन, एक संवाददाता सम्मेलन में अतिरिक्त महानिदेशक (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने कहा कि जिस इलाके में हत्याएं हुई थीं, वहां के निवासी इंजामुल हक को बुधवार की देर रात छापेमारी के बाद जिले के सुती इलाके से गिरफ्तार किया गया। सरकार ने कहा कि वह न केवल जघन्य अपराध की साजिश में शामिल था, बल्कि उसने इलाके में बिजली की आपूर्ति काटकर और सीसीटीवी कैमरों को नष्ट करके सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सरकार ने यह साफ नहीं किया कि क्या दोनों हत्याओं की साजिश पहले ही रच ली गई थी या उन्हें हिंसा के सिलसिले में अंजाम दिया गया था। उन्होंने कहा कि अभी जांच शुरुआती चरण में है। बता दें कि इससे पहले पुलिस ने अपराध के सिलसिले में दो भाइयों, कालू नवाब और दिलदार नवाब को गिरफ्तार किया था - जो उसी इलाके के निवासी हैं। कालू को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास सुती में एक गांव से गिरफ्तार किया गया था, जबकि दिलदार को झारखंड सीमा के पास बीरभूम के मुराराई से पकड़ा गया था। पुलिस ने कहा कि एसआईटी हिंसा की घटनाओं के सभी पहलुओं की जांच करेगी, जिनमें तीन लोगों की जान चली गई, संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और जानलेवा चोटें आईं तथा जिसके बाद सैकड़ों हिंदू परिवार पड़ोसी जिलों और राज्यों में भागने को मजबूर हुए। अधिकारी ने बताया कि दंगों के सिलसिले में अब तक जिले भर में 278 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एडीजी ने कहा कि मैं फिर दो-हराता हूं कि इस जघन्य कृत्य में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। सभी अपराधियों को जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। सरकार ने कहा कि पिछले चार दिन में हिंसा की कोई नई घटना नहीं हुई है और जिले के प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति लौट रही है। उन्होंने यह भी बताया कि 85 परिवार जो अपने घर छोड़कर चले गए थे, अब वापस आ गए हैं और राज्य प्रशासन उन्हें जीवन फिर से शुरू करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक चीजें मुहैया कराने की दिशा में हर समय काम कर रहा है।

हिंसा के कारण मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज और सुती थान-ाओं के ओसी हटाये गए

मुर्शिदाबाद : दंगा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में शांति बहाली की कवायद लगातार जारी है और वहां पर जनजीवन की रफ्तार लौटने भी लगी है। इसी बीच, राज्य पुलिस ने इस बार मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज और सुती पुलिस थानों के ओसी को हटा दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब तक इन दोनों पुलिस स्टेशनों पर उप निरीक्षक रैंक के अधिकारी ही तैनात थे। इस बार वहां इंस्पेक्टर रैंक का एक अधिकारी लाया गया। परिणामस्वरूप, जंगीपुर पुलिस जिले के अंतर्गत आने वाले दोनों पुलिस स्टेशनों का महत्व बढ़ गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिवप्रसाद घोष अब तक शमशेरगंज थाने के प्रभारी थे, उनके स्थान पर सुब्रत घोष को आईसी के रूप में लाया गया है। वह अब तक पूर्व मेदिनीपुर के भूपतिनगर में सर्किल इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। दूसरी ओर, बिजन रॉय सुती पुलिस स्टेशन के प्रभारी थे। उनके स्थान पर सुप्रियो रंजन मांझी को प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। वह पूर्व बर्दवान में सदर ट्रैफिक गार्ड में कार्यरत थे। इस बीच, स्वपन गोस्वामी को सुब्रत के स्थान पर भूपतिनगर का सर्किल इंस्पेक्टर नियुक्त किया गया है, जिन्हें शमशेरगंज लाया गया था।

मुर्शिदाबाद में फिलहाल रहेगा केंद्रीय बल, हाई कोर्ट ने कहा... 'कानून और व्यवस्था बनाए रखना जरूरी'

❑ **सत्तारूढ़ तृणमूल व विपक्षी दलों के नेताओं को भड़काऊ भाषण देने पर रोक**
❑ **हिंसा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास की सुविधा के लिए होगी समिति गठित**

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़े पैमाने पर हुई हिंसा एवं तोड़फोड़ के बाद गुरुवार को भड़काऊ भाषणों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया। बता दें कि इस विरोध प्रदर्शन में तीन लोगों की मौत हो गई थी। अदालत के सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति सौमेन सेन और राजा बसु चौधरी की पीठ ने केंद्रीय बलों के विस्तार पर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्रीय बलों को अभी हिंसा प्रभावित जिले में रहने का निर्देश दिया। संकटग्रस्त मुर्शिदाबाद में केंद्रीय सशस्त्र बलों की लगभग 17 कंपनियां तैनात की गई हैं। पीठ ने राज्य सरकार को हिंसा की जांच करने और अपने घरों से भागे लोगों के पुनर्वास के लिए एक टीम बनाने का आदेश दिया। हिंसा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की सुविधा के लिए एक समिति गठित की जाएगी। अदालत ने कहा कि समिति में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग (डब्ल्यूबीएचआरसी) और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एसए-लएसए) के सदस्य होने की संभावना है। समिति का काम प्रभावित लोगों की पहचान करना और उन्हें भोजन तथा आश्रय प्रदान करना होगा। राज्य को जल्द ही पुनर्वास योजना लाने के लिए कहा गया। अदालत ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की याचिका के बाद पिछले शनिवार को अपनी पहली सुनवाई में एक विशेष बैठक में बड़े पैमाने पर हिंसा के बारे में बताए जाने के बाद केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती का आदेश दिया जिससे कई लोगों को अपने घरों से भागने पर मजबूर होना पड़ा। अदालत ने राजनीतिक दलों और अन्य लोगों को निर्देश दिया कि वे वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के पारित होने के बाद पश्चिम बंगाल में कोई भी भड़काऊ भाषण न दें। न्यायाधीशों ने कहा कि किसी भी पक्ष द्वारा कोई भड़काऊ भाषण नहीं दिया जाना चाहिए, हालांकि उन्होंने कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने टिप्पणी की, कि हम उस सब में नहीं पड़ रहे हैं। खंडपीठ ने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय सशस्त्र बल कुछ और समय तक रहेंगे।

❑ **मुर्शिदाबाद में बेघरों को बांटी जा सकेगी राहत, हाई कोर्ट ने स्वयंसेवी संगठनों को दी सशर्त इजाजत**

मुर्शिदाबाद के धुलियान और शमशेरगंज में संशोधित वक्फ अधिनियम के विरोध को लेकर हुई हिंसा के चलते बेघर हुए लोगों में राहत सामग्री बांटने की इजाजत स्वयंसेवी संस्थाओं को मिल गई है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने स्वयंसेवी संगठनों को इन दो इलाकों में बेघर लोगों को सप्ताह में एक दिन राहत सामग्री वितरित करने की सशर्त अनुमति दे दी है। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने आदेश दिया कि स्वयंसेवी संगठन अगले दो सप्ताह में दो दिन राहत सामग्री वितरित कर सकेंगे। राहत सामग्री के वितरण से 24 घंटे पहले जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय को सूचित करना होगा। उन्हें जिला मजिस्ट्रेट को विस्तृत जानकारी देनी होगी कि वे कहां जाना चाहते हैं, कितने लोग जाना चाहते हैं और वे किसकी मदद करना चाहते हैं। स्वयंसेवी संगठन उनके निर्देशानुसार राहत सामग्री वितरित कर सकेंगे। इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

पूर्व रेलवे
ई-निविदा सूचना सं.: डब्ल्यू_एलएलएच_22_2024-25_आर1, दिनांक 12.04.2025; उप मुख्य विद्युत अभियंता/विद्युत, सीएंडडब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ-711204 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए तकनीकी क्षमताएं रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन ई-निविदाएं (खुली निविदा) आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** कोचों = 265 एलएचबी कोचों के पुनरुद्धार/ओवरहॉलिंग के आरएसपी कार्य के तहत सीएआई सं. ईडी/सीएआई/024 दिनांक 09.10.2024 एवं ईडी/सीएआई/025 दिनांक 09.10.2025 क्रमशः के अनुसार एलएचबी टाइप नॉन-एसी एवं एसी कोचों में 4.5 केडब्ल्यू अंडर-स्लंग-टाइप निरंतर वोल्टेज नियंत्रक सह आपातकालीन बैटरी चार्जर का प्रावधान (पीबीआई सं. 743/2024-25)। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 10,54,800; **बयाना राशि:** रु. 21,100; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 06.05.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। **वेबसाइट जहां निविदा का परिपूर्ण विवरण उपलब्ध है: www.ireps.gov.in** (MISC-17/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे
निविदा सं.: एसडीएसटीई-टीआईबी-जीबीआरए-एमडीएसई-25-26, दिनांक 16.04.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** अनुसूची ए - हावड़ा मंडल के तहत उपनगरीय अनुभागों में मधुसूदनपुर, पोड़ाबाजार, सिबाईचंडी, हाजीगढ़, झापनडांगा स्टेशनों में टीआईबी, पीए सिस्टम एवं जीपीएस क्लॉक का प्रावधान। अनुसूची बी - हावड़ा मंडल के तहत उपनगरीय अनुभागों में गोबरा, जनाई रोड, मिर्जापुर-बांकीपुर, बलरामबाटी स्टेशनों में टीआईबी, पीए सिस्टम एवं जीपीएस क्लॉक का प्रावधान। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 3,31,07,684.21; **बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 3,15,500; **निविदा दस्तावेज की कीमत:**रु. 0.00; **बोली शुरू होने की तारीख:** 25.04.2025. **समापन अवधि:** 09 महीने। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख:** 09.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समय:** 16.04.2025 को अपराह्न 05.23 बजे। **निविदा अनुभाग:** एसएएनडीटी। (HWH-33/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे
ई-नीलामी आमंत्रण सूचना
हावड़ा मंडल के तहत पे एंड यूज शौचालय के लिए संविदा की सुपुर्दगी
सं.: सीओएम/डीईवी/ई-ऑक्शन/पीयू/एचडब्ल्यूएच/2022, दिनांक: 16.04.2025
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल के तहत **हिन्दमोटर स्टेशन** में **03 वर्षों** की अवधि के लिए सामान्य पे एंड यूज शौचालय के संचालन एवं रखरखाव के लिए नई संविदा की सुपुर्दगी। यह ई-नीलामी रेलवे बोर्ड के फ्रेट मार्केटिंग सर्कुलर सं. 11 ऑफ 2022 तथा कमर्शियल सर्कुलर सं. 14 ऑफ 2022 के अनुसार संचालित की जाएगी। और अधिक विवरण तथा ई-नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए **ई-नीलामी पत्र प्रारूप देखें। नीलामी सूचीपत्र सं.:** पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-1-25-आर, **लॉट सं./श्रेणी:** पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-एचएमजेड-टीओआई-29-25-1; हिन्दमोटर (एचएमजेड)। **नीलामी की तारीख एवं समय:** 30.04.2025 को अपराह्न 1.30 बजे।
(HWH-31/2025-26) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आसनसोल मंडल के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था
शुद्धिपत्र एवं परिशिष्ट
आसनसोल मंडल के तहत कालीपहाड़ी में डाउन दामोदर-कालीपहाड़ी लाइन पर ओवर रन लाइन आरंभ करने के लिए प्री नॉन-इंटरलॉकिंग (दिनांक 18.06.2025 से 20.06.2025 तक) और नॉन-इंटरलॉकिंग (दिनांक 21.06.2025 एवं 22.06.2025 को) कार्य के कारण ट्रेनों के नियंत्रण के संबंध में पूर्व प्रकाशित ऊपर शीर्षांकित विज्ञापन के संदर्भ में, ट्रेनों के नियंत्रण में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं: • **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) और 22.06.2025 (रविवार) को, 63552 आसनसोल-अण्डाल मेमू** रद्द रहेगी। • **दिनांक 20.06.2025 (शुक्रवार) को, 13504 हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस** आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी। • **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) को, 12340 धनबाद-हावड़ा कोलफील्ड एक्सप्रेस** और **63532 सांइथिया-अण्डाल मेमू** जिन्हें पहले रद्द सूचित किया गया था, अब **नियमित रूप से** चलेंगी। • **दिनांक 22.06.2025 (रविवार) को, 12339 हावड़ा-धनबाद कोलफील्ड एक्सप्रेस, 13504 हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस और 63532 सांइथिया-अण्डाल मेमू** जिन्हें पहले रद्द सूचित किया गया था, अब **नियमित रूप से** चलेंगी। • **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) एवं 22.06.2025 (रविवार) को, 13503 बर्द्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस,** जिसे पहले रद्द सूचित किया गया था, को अब बहाल कर दिया गया है और आसनसोल से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी। • **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) को, 13504 हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस,** जिसे पहले रद्द सूचित किया गया था, को अब बहाल कर दिया गया है और आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी। सभी अन्य सूचनाएँ अपरिवर्तित रहेंगी। **मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल**
पूर्व रेलवे
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कोलकाता पुलिस आयुक्त ने हिंसा प्रभावित भांगड़ का किया दौरा

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने गुरुवार को दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ के कुछ हिस्सों का दौरा किया और कहा कि इलाके में स्थिति अब पूरी तरह शांतिपूर्ण है। बता दें कि कुछ दिन पहले वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान संबंधित क्षेत्र में हिंसा भड़क उठी थी। गत सोमवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान 'इंडियन सेकुलर फ्रंट' (आईएसएफ) के समर्थकों और पुलिस कर्मियों के बीच झड़प हो गई थी, जिसमें कई लोग घायल हो गए और कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई थी। इस दिन, पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बासंती राजमार्ग पर भोजेरहाट क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने

संवाददाताओं से कहा कि स्थिति अब बिलकुल शांतिपूर्ण है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने राजमार्ग के एक हिस्से में लगे सीसीटीवी का भी निरीक्षण किया। वर्मा ने कहा कि ऐसी घटनाएं विशेष परिस्थितियों में होती हैं और पुलिस त्वरित कार्रवाई शुरू करती है। हालांकि, एक घटना जमीनी स्तर पर समग्र स्थिति को नहीं दर्शाती है। इलाके में अभी कोई तनाव नहीं है और स्थिति सामान्य है। हम सतर्क और सजग हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को जेएसडब्ल्यू के सालबोनी बिजली संयंत्र की रखेंगी आधारशिला

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह 21 अप्रैल को पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सालबोनी में 1,600 मेगावाट के सुपर/अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ताप-बिजली संयंत्र संयंत्र की आधारशिला रखेंगी। इसे जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड द्वारा विकसित किया जाएगा। कुल 16,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना में 800-800 मेगावाट की दो इकाइयां शामिल हैं, जिन्हें पश्चिम बंगाल विद्युत विकास निगम लिमिटेड (डब्ल्यूबीपीडीसीएल) द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से जेएसडब्ल्यू एनर्जी को दिया गया था। इस नए ताप-बिजली संयंत्र को पांच साल के भीतर चालू करने की योजना है। बता दें कि जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने पिछले दिनों पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल) के साथ

संपूर्ण 1,600 मेगावाट क्षमता के लिए 25 वर्षीय बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की थी।

इस संयंत्र को केंद्र की शक्ति बी (4) नीति के तहत पश्चिम बंगाल को आवंटित घरेलू कोयले की आपूर्ति व्यवस्था से ईंधन मिलेगा। इस दिन, नवान्न में एक संवाददाता सम्मेलन में ममता बनर्जी ने कहा कि 22 अप्रैल को 112 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना का उद्घाटन किया जाएगा, जिसे एक जर्मन एजेंसी से 80 प्रतिशत वित्तीय सहायता के साथ स्थापित किया जा रहा है। लगभग 770 करोड़ रुपये के निवेश वाली यह परियोजना पश्चिम बंगाल की विस्तारित नवीकरणीय ऊर्जा पहल का हिस्सा है।

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा, विद्युत शाखा
निविदा सूचना क्र.: जबल/एल/टी नं./59/2024R मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है। निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे इस ठेका के विरूद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा। **निविदा सूचना क्रमांक:** जबल/एल/टी नं./59/2024R, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत (KTE-7 और Rewa-7) पर 14 एस्केलेटर का प्रावधान सिविल इंजीनियरिंग कार्य सहित। वारंटी अवधि के बाद 05 वर्ष की एएमसी सहित (इलेक्ट्रिकल एवं सिविल कार्य हेतु कम्पोजिट निविदा), **निविदा का अनुमानित मूल्य:** 174320741.53, **निविदा फार्म की कीमत रूपये:** Nil, **कार्यालय का पता।:** वरि.मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर द्वितीय फ्लोर, डीआरएम बिल्डिंग जबलपुर 482001, **बयाना राशि रूपये:** 1021600.00, **समापन अवधि (वर्ष) :** 01 वर्ष, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय(15:30 बजे तक):** 05/05/25, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15:30 बजे तक):** 05/05/25। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट **http://ireps.gov.in** उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) कार्यालय जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।
(हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), पमरे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

हावड़ा मंडल के तहत स्टेशनों में अनारक्षित टिकटें जारी करने के लिए एटीवीएम समन्वयकों की नियुक्ति
आवेदन सूचना सं.: सीओएम/सीएफ/एटीवीएम-एफएसी/एचडब्ल्यूएच/25 दिनांक: 21.04.2025
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा मंडल द्वारा हावड़ा मंडल के तहत स्टेशनों में स्थापित ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के जरिए अनारक्षित टिकटें जारी करने के लिए समन्वयकों की नियुक्ति हेतु सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों तथा जनसाधारण से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: (1) सर्वप्रथम सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के जीवनसाथी/संतान से चयन किए जाएंगे। समन्वयक की नियुक्ति के लिए प्राथमिकता का क्रम निम्नानुसार होगा: (i) सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी, (ii) सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के जीवनसाथी/वयस्क संतान (एक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के लिए उनके द्वारा मनोनित सिर्फ एक व्यक्ति)। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के जीवनसाथी/संतान के उपलब्ध नहीं रहने पर जनसाधारण से प्राप्त आवेदन पर विचार किया जाएगा। (2) यदि आवश्यकता के तहत अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, **तो लॉटों के ड्रा के माध्यम से चयन किया जाएगा।** (3) एटीवीएम समन्वयक का कार्यकाल दिनांक 31.03.2026 तक होगा, जिसे रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देश के अनुसार वार्षिक आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। (4) रेलवे द्वारा किसी भी तरह के पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाएगा। लागू नियमों के अनुसार समन्वयक बिक्री की गई टिकटों के मूल्य पर 3% कमिशन पाने के पात्र होंगे। (5) **आवेदक सिर्फ एक स्टेशन के लिए आवेदन कर सकते हैं।** एकाधिक आवेदनों को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (6) समन्वयक के रूप में अगर जनसाधारण की नियुक्ति की जाती है, तो उन्हें कार्य आरम्भ करने से पहले वापसयोग्य सुरक्षा राशि के रूप में एनएसजी-1 एवं एनएसजी-2 के लिए रु. 50,000/- तथा अन्य स्टेशनों के लिए रु. 25,000/- की रकम जमा करनी होगी। (7) एटीवीएम समन्वयक की नियुक्ति रेलवे के अंदर किसी भी तरह की नौकरी का अधिकार प्रदान नहीं करता है। नियुक्ति सम्पूर्ण रूप से अनुबंध पर आधारित है एवं समन्वयक रेलवे की नौकरी में शामिल होने, रोजगार का नियमितीकरण, बोनस अथवा रेलवे पास की सुविधा इत्यादि जैसे लाभ पाने के हकदार नहीं होंगे। (8) नियुक्ति की साधारण शर्तें, प्रत्येक स्टेशन में नियुक्त किए जाने वाले समन्वयकों की संख्या, आवेदन प्रपत्र, पात्रता के मानदंड, कार्यकाल, चयन की प्रक्रिया तथा कार्यप्रणाली इत्यादि निविदा प्रपत्र में उपलब्ध होंगे तथा उसे वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** के 'Tender' टैब से डाउनलोड किया जा सकता है तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यालय, पूर्व रेलवे, हावड़ा (चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास बिल्डिंग, न्यू कॉमप्लेक्स, हावड़ा रेलवे स्टेशन) से प्राप्त किया जा सकता है। (9) मुहरबंद लिफाफे वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यालय, हावड़ा मंडल, पूर्व रेलवे (चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास बिल्डिंग, न्यू कॉमप्लेक्स, हावड़ा-711101) में इस उद्देश्य के लिए रखी गई पेटी में डाले जाने चाहिए। **डाक के माध्यम से प्राप्त आवेदन तत्काल रद्द कर दिए जाएंगे।** (10) **महत्वपूर्ण तिथियां:** वेबसाइट पर आवेदन प्रपत्र का प्रकाशन तथा डाउनलोड शुरू होने की तारीख 21.04.2025 से है। सीनि. डीसीएम/हावड़ा के कार्यालय से आवेदन प्रपत्र की उपलब्धता एवं आवेदन प्रपत्र जमा की तारीख 21.04.2025 से है। आवेदन प्रपत्र जमा करने की **अंतिम तारीख एवं समय 13.05.2025 को अपराह्न 5.00 बजे** है। आवेदन प्रपत्र दिनांक 14.05.2025 को अपराह्न 1.00 बजे खोले जाएंगे।
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा
पूर्व रेलवे

बारिश में भी दीघा में बिजली मंत्री अरूप ने किया जगन्नाथ मंदिर का दौरा, बिजली आपूर्ति कार्यों की ली जानकारी

पूर्व मेदिनीपुर : बारिश और तूफान की परवाह किए बिना, पश्चिम बंगाल के बिजली मंत्री अरूप विश्वास छाता लेकर दीघा के नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण करने पहुंचे। मंदिर उद्घाटन की तैयारियों की समीक्षा के लिए वह खुद मौके पर पहुंचे। इससे पहले उन्होंने पुराने दीघा स्थित विद्युत विभाग के कार्यालय (रान्सविक भवन) में विभागीय अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की।

इस बैठक में राज्य के प्रमुख सचिव शांतनु बसु, पूर्व मुख्य सचिव और हिडको के उपाध्यक्ष हरेकृष्ण द्विवेदी, जिलाधिकारी पूर्णेंदु माजी समेत जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बुधवार को नबन्ना सभागार में मुख्यमंत्री ने मंदिर उद्घाटन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की थी और कई निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के 24 घंटे के भीतर ही मंत्री अरूप विश्वास गुरुवार को दिगा पहुंच गए और तैयारियों का जायजा लिया।

मंत्री ने कहा, मंदिर में जो विद्युत आपूर्ति होनी है, उसका कार्य पूरा हो चुका है। विभागीय अधिकारियों ने इसकी रिपोर्ट दी थी, इसलिए निरीक्षण करने आया था। घूम कर देखा – काम बहुत अच्छा हुआ है। यह सब जगन्नाथ जी की कृपा से संभव हुआ है। मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूं। जगन्नाथ जी का आशीर्वाद 'दीदी' पर है, इसलिए वे ऐसा भव्य मंदिर बनवा सकी हैं। मंत्री ने अधिकारियों से उद्घाटन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और किसी भी तरह की समस्या को जल्द से जल्द हल करने के निर्देश भी दिए।

मुर्शिदाबाद हिंसा : एसआईटी ने शुरू की जांच, 60 मामले दर्ज, 274 गिरफ्तारियां

❑ **प्रतिनिधियों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ितों से इकट्ठा की जानकारी**

मुर्शिदाबाद : नौ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के प्रतिनिधियों ने मुर्शिदाबाद हिंसा की घटना की जांच शुरू कर दी है। गुरुवार को एसआईटी के सदस्यों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ितों से जानकारी इकट्ठा की। इस बीच, आज जुमे की नमाज के दिन विशेष एहतियात के तौर पर संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। पुलिस और जनप्रतिनिधियों का दावा है कि हिंसाग्रस्त इलाकों में हालात सामान्य हो रहे हैं। विस्थापित लोग घर लौटने लगे हैं। जंगीपुर के पुलिस अधीक्षक आनंद मोहन राय ने कहा कि अशांति के सिलसिले में अब तक कुल 60 मामले दर्ज किए गए हैं। कुल 274 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कई सामान जब्त किए गए हैं। हालांकि, कोई आग्नेयास्त्र जब्त नहीं किया गया है। शमशेरगंज में इंटरनेट सेवाएं अभी भी बंद हैं। पुलिस अधीक्षक इस बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं दे सके कि यह कब चालू होगा। पुलिस का दावा है कि हिंसाग्रस्त इलाकों का माहौल धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। क्षेत्र में जिला एवं राज्य पुलिस के साथ-साथ बड़ी संख्या में केंद्रीय बल तैनात किए गए हैं। जाफराबाद में एक केंद्रीय सेना शिविर खोला गया है।

❑ **एसआईटी की बैठक में शमशेरगंज थाने की खुफिया विफलताओं पर चर्चा**

मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच के लिए राज्य पुलिस द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की पहली बैठक में शमशेरगंज थाने की खुफिया विफलताओं पर हुई चर्चा हुई। एसआईटी प्रमुख और राज्य पुलिस के एडीजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार बुधवार की रात शमसेरगंज पुलिस थाने में हुई बैठक में मौजूद थे। जंगीपुर के पुलिस अधीक्षक आनंद मोहन राय ने बताया कि बैठक में कुछ आवश्यक कदम उठाने के संबंध में निर्णय लिए गए। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि कहां स्थिति अभी पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आ पाई है और कौन से क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित हैं। दूसरी ओर, धुलियान और सुती पुलिस थाना क्षेत्रों में स्थिति सामान्य हो रही है तथा पिछले 72 घंटों में हिंसा की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। धुलियान शहर में अधिकांश दुकानें गुरुवार को खुल गईं।

शिक्षा मंत्री ने बेरोजगार शिक्षकों से चिंता न करने का किया आग्रह

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने गुरुवार को बेरोजगार शिक्षकों से चिंता न करने का आग्रह किया तथा चल रही कानूनी लड़ाई में राज्य सरकार की ओर से पूरा समर्थन करने के वादे को दोहराया। इस दिन, उच्चतम न्यायालय के आदेश पर खुशी जताते हुए शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने बेरोजगार 'पात्र' शिक्षकों से चिंता न करने को कहा, क्योंकि न्यायालय ने पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा उठाए गए इस बिंदु को स्वीकार किया है कि हजारों 'बेदाग' शिक्षकों की नौकरियों को अमान्य घोषित करने से राज्य द्वारा संचालित और राज्य से सहायता प्राप्त स्कूलों का शैक्षणिक कामकाज बुरी तरह से बाधित होगा।

मिरर इमेज चाहिए! सीबीआई दफ्तर जाने पर पुलिस ने रोका, आरोप नौकरी से बर्खास्त युवाओं का

कोलकाता : कोई प्रदर्शन नहीं, कोई धरना भी नहीं – सिर्फ़ ओएमआर शीट की मिरर इमेज माँगने गए थे नौकरी से बर्खास्त युवाओं का एक दल। लेकिन उनका आरोप है कि सिजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई कार्यालय में जाने से पहले ही पुलिस ने उन्हें रोक दिया और परिसर से बाहर निकाल दिया।

नौकरी से बर्खास्त युवाओं ने बताया कि उनका एक प्रतिनिधिमंडल सीजीओ कॉम्प्लेक्स पहुंचा था, ताकि वे ओएमआर शीट की मिरर इमेज मांग सकें। उनका दावा है कि करीब 23 लाख ओएमआर शीट्स सीबीआई के पास मौजूद हैं और वे सिर्फ़ उस बारे में जानकारी लेने ही आए थे। लेकिन बिधाननगर पुलिस ने उन्हें सीजीओ परिसर में घुसने नहीं दिया।

नौकरी से निकाले गए अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने इस सिलसिले में सीबीआई को मेल भी किया था, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

इस बीच सीजीओ कॉम्प्लेक्स के बाहर भारी संख्या में बिधाननगर पुलिस तैनात है, जिससे साफ़ है कि किसी को भी भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बर्खास्त अभ्यर्थियों का कहना है कि उनकी मांग पूरी तरह वैध है और वे सिर्फ़ पारदर्शिता चाहते हैं। लेकिन प्रशासन का यह रवैया गंभीर चिंता का विषय है।

कोलकाता समेत राज्य भर में आंधी व बारिश से मिली राहत

कोलकाता, समाज्ञा : लगभग मौसम विभाग ने जैसी चेतावनी जारी किया था लगभग वैसा ही हुआ। शाम होने वाली थी कि महानगर कोलकाता सहित राज्य के तमाम जिलों में अंधेरा छा गया। हवाएं चलने लगी, रास्ता घाटों पर चल रहे लोग धूल भरी आंधी से बचने के लिए ठौर तलाशते दिखें। देखते ही देखते मौसम का मिजाज बदल गया और फिर बारिश और हवाओं ने लोगों को गर्मी से थोड़ा आराम दिया। हावड़ा, हुगली सहित बंगाल के खास कर लगभग पूरे दक्षिण बंगाल में मूसलाधार बारिश होने लगी। बारिश के कारण इस खबर के लिखे जाने तक कोलकाता शहर के विभिन्न हिस्सों में पानी जमा होने लगा। हावड़ा में कई जगहों पर बारिश हुई है। इसके साथ ही कालबैसाखी का भी असर रहा। गरज और बिजली के साथ भारी बारिश हो रही थी। वहीं, महानगर

कोलकाता में कार्यालय से लौटे रहे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वैसे अलीपुर मौसम कार्यालय के अनुसार, अगले कुछ दिनों में दक्षिण बंगाल के अधिकांश जिलों में तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। तूफान और बारिश हुई है, इसलिए तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन जब सूरज निकलेगा तो तापमान फिर से बढ़ जाएगा। अगले सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाये रह सकते हैं। हालांकि, मंगलवार से आसमान साफ रहेगा और तापमान में भी तेजी से बढ़ोतरी होगी। शनिवार को भी दक्षिण 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम और पुरुलिया में आंधी और बारिश की संभावना रहेगी। इसके बावजूद दक्षिण बंगाल में छिटपुट बारिश जारी रहेगी।

कोलकाता के पाटुली में युवक की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के पाटुली इलाके में एक युवक की संदिग्ध मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान टोटन आईच के रूप में हुई है, जो पाटुली थाना क्षेत्र के रवींद्रपल्ली का निवासी था। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने टोटन को उसके घर के सामने सड़क पर अचेत अवस्था में पड़ा देखा। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार का आरोप है कि टोटन की हत्या उसके ही दोस्तों ने की है। परिजनों के अनुसार, मंगलवार को नववर्ष (पोइला बैशाख) के मौके पर टोटन अपने दोस्तों के साथ पिकनिक पर गया था, लेकिन वह रात तक घर नहीं लौटा। अगले दिन सुबह

उसका शव घर से कुछ ही दूरी पर मिला।

जादवपुर थाने में मृतक के परिजनों ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें हत्या का संदेह जताया जा रहा है। परिजनों का कहना है कि पिकनिक स्थल टोटन के घर से महज 10 मिनट की दूरी पर था। उनका दावा है कि वहीं, टोटन को पीट-पीटकर मार दिया गया। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को समर्पित निबंध प्रतियोगिता आयोजित

कोलकाता : नोआपाड़ा ट्रेनिंग सेंटर में डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को सम्मान देने एवं उनकी विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मेट्रो कर्मचारियों ने भाग लिया और डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रतियोगिता का विषय था – डॉ. बी. आर. अंबेडकर: भारत में सामाजिक न्याय के शिल्पकार। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों ने डॉ. अंबेडकर के विचारों, संघर्षों और सामाजिक न्याय में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

प्राथमिक भर्ती मामले में पार्थ चटर्जी की जमानत याचिका फिर हुई खारिज

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत गुरुवार को एक बार फिर खारिज कर दी गई है। गुरुवार को अदालत में जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील ने दलील दी की इस समय उन्हें जमानत पर रिहा करने से सबूत नष्ट हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 2022 में ईडी ने भर्ती भ्रष्टाचार मामले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया था। उन्हें पिछले अक्टूबर में प्राथमिक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया था। प्राथमिक भर्ती भ्रष्टाचार से संबंधित ईडी मामले में पार्थ चटर्जी को

जमानत दे दी गई है। हालांकि, सीबीआई मामले में जमानत आवेदन बार-बार खारिज कर दिए गए। इस मामले की अंतिम सुनवाई 3 अप्रैल को हुई थी। इस मामले में फैसला 11 अप्रैल को सुनाया जाना था। हालांकि, उस दिन जज अनुपस्थित थे। फिर मामले की सुनवाई गुरुवार को हुई। पार्थ ने शारीरिक बीमारी का हवाला देते हुए जमानत के लिए आवेदन किया। लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। अदालत ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। इस दिन, कोर्ट भवन में सीबीआई के मामले में न्यायाधीश ने कहा कि आरोप पत्र समेत सभी साक्ष्यों की जांच की जा चुकी है। पार्थ चटर्जी भर्ती भ्रष्टाचार मामले में सीधे तौर पर शामिल हैं। मामला इस समय बहुत महत्वपूर्ण चरण में है। इसलिए इस समय पार्थ को जमानत देना संभव नहीं है।

सियालदह स्टेशन पर चलाया गया एंटी-लिटरिंग अभियान, 4.05 लाख से अधिक का वसूला जुर्माना

कोलकाता, समाज्ञा

पूर्व रेलवे द्वारा सियालदह स्टेशन पर 16 अप्रैल को एक विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, वाणिज्यिक पर्यवेक्षक, रेलवे सुरक्षा बल, यात्री और अन्य रेलवे उपयोगकर्ताओं ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस दौरान स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया गया और यात्रियों तथा विक्रेताओं को खुले में कूड़ा फेंकने के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने और स्वच्छता नियमों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। यात्रियों को पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और निर्धारित डस्टबिन का उपयोग करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया। 1 मार्च से 15 अप्रैल 2025 तक सियालदह स्टेशन पर वाणिज्यिक विभाग द्वारा चलाए गए एंटी-लिटरिंग और एंटी-स्पिटिंग अभियान में कुल 3,655 व्यक्तियों से 4,05,770 का जुर्माना वसूला गया। मार्च महीने में 1,517 व्यक्तियों से 1,59,500 तथा अप्रैल के पहले 15 दिनों में 2,138 व्यक्तियों से 2,46,270 का जुर्माना वसूला गया, जो स्वच्छता को लेकर पूर्वी रेलवे की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है।

मालदह डिवीजन में सबवे निर्माण के लिए ट्रेनों का संचालन प्रभावित

कोलकाता, समाज्ञा : मालदह डिवीजन में तीनपहाड़ और कल्याणचक स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 48 तथा कल्याणचक और तलझरी स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 50 के स्थान पर सबवे का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य के लिए 21 अप्रैल को बारहवा-साहिबगंज सेक्शन में 06 घंटे का ट्रैफिक और पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इसके चलते, 21 अप्रैल से यात्रा प्रारंभ करने वाली 53411/53412 बारहवां-साहिबगंज-बारहवां पैसेंजर ट्रेन रद्द कर दी जाएगी। इसके अलावा, 21 अप्रैल से यात्रा प्रारंभ करने वाली 53022 साहिबगंज-आजिमगंज पैसेंजर ट्रेन को 02 घंटे के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा।

हावड़ा-जमालपुर-हावड़ा एक्सप्रेस में जोड़ा गया अतिरिक्त कोच, 230 सीटें होंगी उत्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे ने लोकप्रिय एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ने की पहल जारी रखी है। इसी कड़ी में हावड़ा-जमालपुर-हावड़ा एक्सप्रेस में स्थायी रूप से अतिरिक्त एसी और स्लीपर क्लास कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। यह कदम वर्ष भर टिकटों की भारी मांग को देखते हुए उठाया गया है। इससे हावड़ा, वर्दवान, रामपुरहाट, साहिबगंज, भागलपुर जंक्शन, सुलतानगंज और जमालपुर जंक्शन के यात्रियों को भी काफी लाभ होगा। इसके तहत, 13071/13072 हावड़ा-जमालपुर-हावड़ा एक्सप्रेस में 27 अप्रैल से हावड़ा से और 28 अप्रैल से जमालपुर से एक एसी-3 टियर कोच और दो स्लीपर क्लास कोच जोड़े जाएंगे। इससे प्रत्येक यात्रा में 230 अतिरिक्त बर्थ्स उपलब्ध होंगी और ट्रेन कुल 22 कोचों के साथ चलेगी, जबकि पहले यह 19 कोचों के साथ चलती थी।

सुजलॉन को सनश्योर एनर्जी से 100.8 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ऑर्डर मिला

कोलकाता : सुजलॉन स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) के माध्यम से बड़ी कंपनियों के बीच नवीकरणीय ऊर्जा को तेजी से अपनाने को बढ़ावा दे रहा है, जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बदलाव और 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता प्राप्त करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को समर्थन मिल रहा है। इस प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाते हुए, सुजलॉन ने सनश्योर एनर्जी से 100.8 मेगावॉट की ईपीसी पवन ऊर्जा परियोजना का ऑर्डर प्राप्त किया है, जो पवन ऊर्जा क्षेत्र में सनश्योर एनर्जी की एक नई पहल है। यह परियोजना महाराष्ट्र के जथ क्षेत्र में कार्यान्वित की जाएगी। जे.पी. चालसानी, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सुजलॉन समूह ने कहा, बड़ी कंपनियों द्वारा पवन ऊर्जा को अपनाना 2030 तक भारत के 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक बोर्ड ने 7,500 करोड़ रुपए की फंडरेजिंग को दी मंजूरी

मुंबई/कोलकाता : आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आज हुई बैठक में इक्विटी पूँजी (सीसीपीएस) के तहत प्रेफरेंशियल इश्यू को मंजूरी दी गई। इसमें करीब लगभग 4,876 करोड़ रुपए की राशि करंट सी इन्वेस्टमेंट्स बी.वी. को दी जाएगी, जो वारबर्ग पिंकस एलएलसी की एक सहयोगी कंपनी है। इसके अलावा, लगभग 2,624 करोड़ रुपए की मंजूरी प्लेटिनम इनविक्टस बी 2025 आरएससी लिमिटेड को मिली है, जो अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसके निजी इक्विटी विभाग द्वारा संचालित होती है। वी. वैद्यनाथन, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, ने कहा, हमने बैंक की नींव पहले दिन से ही एक विश्वस्तरीय बैंक बनाने की दीर्घकालिक सोच के साथ रखी है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी संस्कृति स्थापित करना है, जो ग्राहकों के लिए संवेदनशील हो और उन्हें उत्कृष्ट सेवा प्रदान करे।

बारासात के जिलाधिकारी कार्यालय में लगी आग, कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलने की आशंका

कोलकाता, समाज्ञा : बारासात जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के कोषागार विभाग में गुरुवार की सुबह आग लग गई। खबर मिलते ही अग्निशमन विभाग की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग को काबू किया। आशंका जताई जा रही है कि इस अग्निकांड में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जल गए हैं। खबर लिखे जाने तक यह पता नहीं चल पाया था कि आग कैसे लगी। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह करीब 9 बजे जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के सुरक्षा कर्मियों ने सबसे पहले ट्रेजरी के कमरा नंबर एक से धुआं निकलता देखा। बारासात अग्निशमन विभाग को तुरंत सूचित किया गया। खबर मिलते

ही अग्निशमन विभाग की एक यूनिट वहां पहुंची। अग्निशमन कर्मी वहां पहुंचे और लोहे का दरवाजा तोड़कर अंदर जाने का प्रयास किया। फिर आग बुझाने की प्रक्रिया शुरू हुई। अंततः आग पर काबू पा लिया गया। जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के एक कर्मचारी अभिमन्यु दे ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों को सुबह से ही धुआं निकलता दिखाई दे रहा था। जब मैं काम पर आया तो पता चला कि हमारे कार्यालय में आग लग गई है। इसके बाद, उत्तर 24 परगना के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट एडीएम (जी) मनीष मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा, आग अब पूरी तरह से काबू में है। अभी यह कहना संभव नहीं है कि आग कैसे लगी। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। हालांकि, हमें लगता है कि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। हर चीज का आकलन किया जा रहा है। इस बीच, वहां मौजूद कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एक लैपटॉप पूरी तरह जल गया है।

फ्लिपकार्ट बना पश्चिम बंगाल के विकास का भागीदार, विक्रेता सशक्तीकरण और रोजगार सृजन में निभा रहा अहम भूमिका

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव के साथ फ्लिपकार्ट राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्लेटफॉर्म ने 4.2 लाख से अधिक विक्रेताओं को सशक्त किया है और 1 लाख से अधिक प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। राज्य में एमएसएमई, कारीगरों और स्थानीय व्यवसायों के लिए यह एक बड़ा अवसर बनकर उभरा है। फ्लिपकार्ट समर्थ जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से कारीगरों को 28 हजार से अधिक उत्पादों की ऑनलाइन लिस्टिंग की सुविधा मिली है, जिससे उनकी आमदनी में इजाफा हुआ है। कोमल प्रसाद पॉल और बिट्टू दत्ता जैसे उद्यमियों की सफलता इस पहल की मिसाल है। फ्लिपकार्ट का 41 लाख वर्ग फीट में फैला लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, 25 लास्ट माइल हब और 69 सिटी हब के साथ पूरे राज्य में सेवाओं को मजबूत बना रहा है। प्रशिक्षण, सुरक्षा और महिला सशक्तीकरण के साथ फ्लिपकार्ट राज्य को डिजिटल रूप से सशक्त बना रहा है।

कोलकाता में फर्जी कॉल सेंटर की आड़ में विदेश में नौकरी का झांसा, एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : शहर में एक बार फिर फर्जी कॉल सेंटर की आड़ में विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। कोलकाता पुलिस ने बुधवार को गार्डनरिच इलाके के एक अपार्टमेंट में छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रोहन अग्रवाल के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल पर एक फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था, जहां से आम लोगों को विदेश में नौकरी का लालच देकर संपर्क किया जाता था। झांसे में फंसने के बाद पीड़ितों से नकली वीजा बनवाने के नाम पर किस्तों में पैसे ऐंठे जाते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने नकली वीजा दस्तावेज, सिम कार्ड, जाली सरकारी मुहरें और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है।

सियालदह मंडल के लोकल ट्रेनों में बढ़ाई गई महिलाओं के कोच

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह मंडल ने अपनी ईएमयू उपनगरीय ट्रेनों में महिलाओं के लिए कोच की संख्या में वृद्धि की है। अब महिलाओं के लिए आरक्षित कोचों की संख्या बढ़ा दी गई है, जो महिलाओं की बढ़ती हिस्सेदारी को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। रिकॉर्ड के अनुसार, उपनगरीय ट्रेनों में कुल यात्रियों में से 25% से अधिक महिला यात्री होती हैं, और लंबे समय से यह मांग उठ रही थी कि महिलाओं के लिए उपलब्ध 2 कोचों की संख्या बढ़ाई जाए। इस बदलाव के तहत, 12 कोच की ईएमयू ट्रेन में अब 3 कोच महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। इसके लिए, ट्रेन के दोनों सिरों से आधे-आधे हिस्से को मिलाकर तीसरे कोच का एक भाग सामान्य कोच से बदलकर महिला कोच में परिवर्तित किया गया है, जिससे महिला कोच की संख्या एक और बढ़ाई गई है।

मीडिया को संबोधित करते डीआरएम दीपक निगम, साथ में हैं पूर्व रेलवे के सीपीआरओ दीप्तिमय दत्ता व अन्य

सियालदह मंडल ने पिछले वर्ष सभी उपनगरीय ट्रेनों की क्षमता को 9 कोच से बढ़ाकर 12 कोच किया था, जिससे सामान्य यात्रियों के लिए भी सुविधाओं में वृद्धि हुई। वर्तमान में लगभग 900 सेवाएं प्रतिदिन 12 कोच वाली ईएमयू ट्रेनों के साथ संचालित हो रही हैं, जिनमें से अब 3 कोच महिलाओं के लिए आरक्षित हैं और शेष 9 कोच सामान्य यात्रियों के लिए हैं। पहले 2 कोच महिलाओं के लिए और 7 कोच सामान्य यात्रियों के लिए होते थे। यह कदम महिलाओं की सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है।

कृष्णनगर-लालगोला सेक्शन में लिमिटेड हाइट सबवे निर्माण के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित

कोलकाता, समाज्ञा

पूर्व रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए कृष्णनगर सिटी-लालगोला सेक्शन में लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 117/ई की जगह लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस) का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण के लिए 19 अप्रैल को सुबह 10:15 बजे से शाम 4:45 बजे तक 6ट घंटे का ट्रैफिक और पावर ब्लॉक निर्धारित किया गया है। इसके कारण इस दिन कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। इसके तहत, कृष्णनगर-लालगोला (अप 31861/31864), लालगोला-सियालदह (डाउन 53178/53175), राणाघाट-लालगोला (अप 31773/31774) और कृष्णनगर-अजीमगंज (डाउन 53092/ अप 53091) ट्रेनों को रद्द किया जाएगा।

साथ ही, 63107 सियालदह-लालगोला मेमू पैसेंजर पलासी स्टेशन पर समाप्त होगी और 63104 लालगोला-सियालदह मेमू पैसेंजर पलासी से दोपहर 13:50 बजे शुरू होगी। 31769 राणाघाट-लालगोला ईएमयू पलासी पर समाप्त होगी, जबकि 31770 लालगोला-राणाघाट ईएमयू पलासी से 14:50 बजे रवाना होगी। 31819 सियालदह-कृष्णनगर ईएमयू राणाघाट पर समाप्त होगी और 31840 कृष्णनगर-सियालदह ईएमयू राणाघाट से ही रवाना होगी। इसके अलावा, 53180 लालगोला-सियालदह पैसेंजर ट्रेन अपने निर्धारित समय 14:45 बजे की बजाय 16:15 बजे चलेगी।

बारुईपुर-डायमंड हार्बर सेक्शन में विरोध के कारण रेल सेवाएं बाधित, यात्रियों को भारी परेशानी

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह मंडल के बारुईपुर-डायमंड हार्बर सेक्शन में गुरुवार की सुबह कुछ लोगों द्वारा रेल अवरोध कर प्रदर्शन किया गया। जिसके चलते ट्रेन सेवाएं बाधित हुई और बड़ी संख्या में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। यह विरोध ऐसे समय में हुआ जब हाल ही में महिलाओं की बढ़ती संख्या और मांग को ध्यान में रखते हुए ईएमयू ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं। 12 कोच की नई रेक व्यवस्था में केवल तीन कोचों के बराबर सीटें ही महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं, जो कि कुल क्षमता का बहुत ही छोटा हिस्सा है। इससे सामान्य यात्रियों के लिए कोच की उपलब्धता में कोई कमी नहीं आई है। इसके बावजूद प्रदर्शन कर ट्रेन रोकना पूरी तरह अनुचित बताया गया है। पिछले महीने सोनारपुर-कैनिंग सेक्शन में महिला

यात्रियों द्वारा महिला डिब्बों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर इसी तरह का प्रदर्शन किया गया था, जिस पर रेलवे ने संज्ञान लेते हुए महिलाओं के लिए आरक्षित स्थानों में वृद्धि की थी। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान उत्तर राधानगर हॉल्ट पर सुबह 6:26 बजे से 9:16 बजे तक, होटर के पास एक लेवल क्रॉसिंग गेट पर सुबह 8:40 बजे से 9:17 बजे तक और धामुआ स्टेशन के पास ट्रेनों को बाधित किया गया। इसके अलावा, मगराहाट स्टेशन पर भी अवरोध किया गया। इसके बाद, सुबह 9:42 बजे से ट्रेन सेवाएं सामान्य रूप से चलने लगी। इस विरोध के कारण इस सेक्शन की 9 अप और 6 डाउन ईएमयू लोकल ट्रेनों को रद्द करना पड़ा।

तेज तूफान-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कालबैशाखी ने मचाई भारी तबाही

हुगली : हुगली जिले में गुरुवार की शाम मौसम ने अचानक करवट ली और देखते ही देखते काले बादलों, तेज हवाओं और मूसलधार बारिश ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। करीब एक घंटे तक चले इस कालबैशाखी तूफान ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। बारिश के कारण श्रीरामपुर, सेवड़ाफुली समेत कई निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई। अंडरपास जलमग्न हो गए और सड़कों पर पानी भर जाने से यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। कई जगहों पर पेड़ उखड़ने और बिजली के खंभे गिरने

की घटनाएं सामने आईं। आकाशीय बिजली गिरने की खबरें भी आई हैं, हालांकि किसी तरह की जनहानि की पुष्टि खबर लिखे जाने तक नहीं हुई है। जलजमाव की भयावह स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि धनियाखाली की विधायक असीमा पात्रा और बालागढ़ के विधायक मरोरंजन बापारी को भी चप्पल हाथ में लेकर अपने वाहन तक पहुंचना पड़ा। कई घरों में पानी घुस गया, जिससे लोग विषैले जीव-जंतुओं के डर से परेशान हैं। इसके साथ ही कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित रही। सबसे गंभीर क्षति चंदननगर के बागबाजार कुटीर मैदान के पास देखने को मिली, जहां एक बड़ा पेड़ तेज तूफान में टूटकर एक दुकान पर गिर गया। यह दुकान प्रकाश जायसवाल की थी, जो किताबें बेचते हैं। उन्होंने बताया कि घटना के समय वे दुकान में मौजूद नहीं थे, जिससे जान बच गई, हालांकि आर्थिक नुकसान जरूर हुआ है। प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर दिया है और रास्ता साफ कराया जा रहा है। हालांकि, इस बारिश ने भीषण गर्मी से राहत जरूर दी है, लेकिन तूफान से हुई तबाही ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रशासन के लिए अब चुनौती है जनजीवन को जल्द सामान्य करना और क्षति का आकलन कर आवश्यक कदम उठाना।

नकली पासपोर्ट कांड में फिर नदिया में ईडी की छापेमारी, एक किसान जांच के घेरे में

कोलकाता : नकली पासपोर्ट मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल के नदिया ज़िले में छापेमारी की है। इस बार जांच के घेरे में आए हैं एक संपन्न किसान। गुरुवार तड़के करीब 5 बजे उनके घर पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान केंद्रीय बल के जवान भी मौजूद थे। खबर लिखे जाने तक तलाशी अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह चार ईडी अधिकारियों की एक टीम आठ सशस्त्र केंद्रीय बलों के जवानों के साथ नदिया ज़िले के चाकदाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत घेटुगाछी ग्राम पंचायत के नेताजी बाजार शिबपुर में स्थित दुलाल हलदार के घर पहुंची। दुलाल हलदार पर नकली पासपोर्ट बनवाने का गंभीर आरोप है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दुलाल हलदार को वे एक किसान के रूप में ही जानते हैं। वे संपन्न हैं और उनके पास काफी ज़मीन-जायदाद है। इसलिए नकली पासपोर्ट, मानव तस्करी और घुसपैठ जैसे गंभीर अपराधों में उनकी संलिप्तता की बात उन्हें चौंका रही है। ईडी की छापेमारी से पूरा इलाका हैरान है।

फिलहाल उनके घर की चारों ओर से घेराबंदी कर रखी गई है और तलाशी अभियान जारी है। ईडी इस मामले में और किस-किस से पूछताछ करेगी, इस पर नजर टिकी है।

हाई कोर्ट में राज्य के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : सर्वोच्च न्यायालय ने एसएससी को अयोग्य शिक्षकों और शिक्षा कर्मियों का वेतन वापस करने का आदेश दिया है। अभी तक राज्य सरकार ने उस आदेश को लागू करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है। न्यायालय के आदेशानुसार बेरोजगारों की उत्तर पुस्तिकाएं या ओएमआर शीट प्रकाशित नहीं की गईं। इस आरोप पर कलकत्ता उच्च न्यायालय में न्यायालय की अवमानना का मामला दायर किया गया है। वकील ने गुरुवार को अदालत का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित किया। मुकदमा दायर करने की अनुमति दे दी गई है। इस मामले की सुनवाई अगले सोमवार को उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक की खंडपीठ द्वारा किए जाने की संभावना है।

आज राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम मालदह और मुर्शिदाबाद का करेगी दौरा : अर्चना मजूमदार

❑ **आयोग की टीम एसपी और डीएम के साथ भी करेंगे बैठक**

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर संज्ञान लिया है। आज आयोग की एक टीम मालदह पहुंच रही है। इससे पहले गुरुवार को इस बारे में आयोग की सदस्य डॉ. अर्चना मजूमदार ने कहा कि आयोग की एक टीम मालदह और मुर्शिदाबाद का दौरा करेगी। हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की जाएगी। लोगों से बातचीत के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। हमारी कोशिश रहेगी कि पीड़ितों को दोबारा से मुख्यधारा में लाया जाए। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद की घटना पर देश भर की नजर बनी हुई है। हिंसा के दौरान मुर्शिदाबाद और मालदह में

महिलाओं पर अत्याचार, उत्पीड़न के मामले भी सामने आए हैं। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर के साथ हमारी एक टीम मुर्शिदाबाद और मालदह का दौरा करने जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि आज दोपहर 2.30 बजे हम मालदह पहुंच जाएंगे। पीड़ितों को जहां रखा गया है, उनसे मिलेंगे। आयोग की कोशिश रहेगी कि उन्हें मुख्य धारा में दोबारा कैसे लाया जाए। इसके अलावा एसपी, डीएम के साथ बैठक करेंगे और पूरी रिपोर्ट केंद्र सरकार तक भेजेंगे। यह रिपोर्ट राज्य सरकार को भी भेजी जाएगी।

दिलीप घोष ने हिंदुओं से सुरक्षा के लिए हथियार रखने का किया आह्वान

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष द्वारा कथित तौर पर हिंदुओं से सुरक्षा के लिए घर में हथियार रखने की अपील के बाद विवाद खड़ा हो गया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इस बयान की तीखी आलोचना करते हुए इसे 'भड़काऊ' करार दिया है। दरअसल, बुधवार की दोपहर उत्तर 24 परगना जिले के कांचरापाड़ा में एक सार्वजनिक रैली में पूर्व भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने मुर्शिदाबाद हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में अगर भाजपा की सरकार होती तो अब तक बुलडोजर उतर गया होता। उन्होंने मुर्शिदाबाद की घटना को लेकर ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला और कहा कि वह

इमामों को शांति दूत बता रही है तो मुर्शिदाबाद में किसने तांडव किया? इतना ही है तो वह इमामों से कहें कि मुर्शिदाबाद में जो हुआ वे उसकी निंदा करते हैं। घोष ने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ा जाता है, हिंदुओं पर अत्याचार किया जाता है, यही हाल बंगाल में भी है, यहां भी हिंदू सनातनियों पर हमले किये जा रहे हैं, मंदिर तोड़े जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू टीवी, रेफ्रिजरेटर और नया फर्नीचर खरीद रहे हैं, लेकिन उनके पास एक भी हथियार नहीं है। अगर कुछ होता है तो पुलिस को बुलाने लगते हैं। पुलिस आपकी रक्षा नहीं करेगी। यदि हिंदू अपनी रक्षा खुद नहीं करेगा तो उसे भगवान भी नहीं बचा सकते। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता कौस्तव बागची समेत कई अन्य भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि दस साल पहले लोग नहीं जानते थे कि रामनवमी जुलूस क्या होता है। आज हर इलाके में ऐसे जुलूस निकाले जा रहे हैं, क्योंकि हिंदुओं को एहसास हो गया है कि उन्हें एकजुट होने की जरूरत है। यहां तक कि भगवान भी कमजोरों के साथ नहीं खड़े होते।

फर्जी कस्टम ऑफिसर बनकर करोड़ों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कांचरापाड़ा से एक फर्जी कस्टम्स ऑफिसर को गिरफ्तार किया गया है, जिसने लाखों रुपए की ठगी की थी। आरोपी का नाम मिहिर घोष है। पुलिस ने उसकी नीली बत्ती वाली एक एक्सयूवी कार और एक पिस्टल जब्त की है। आरोप है कि कस्टम ऑफिसर बनकर उसने कांचरापाड़ा और जौनपुर इलाके में कई लोगों से ठगी की थी। वह लोगों को नौकरी दिलवाने और सस्ते दामों में सोना बेचने का वादा करके उनसे लाखों रुपये वसूलता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिहिर ने कई लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी की है। पुलिस के अनुसार, मिहिर घोष लंबे समय से इस तरह की धोखाधड़ी कर रहा था। मिहिर के खिलाफ ठगी के कई आरोप सामने आए हैं और

बारासात के एक व्यक्ति ने उसकी ठगी के बारे में जानकारी मिलने के बाद उसे पकड़ लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। मिहिर से काफी रकम और एक पिस्टल भी बरामद किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल है।

'हिन्दू बेघर, खतरा बन गई हैं ममता', मुर्शिदाबाद हिंसा पर मिथुन चक्रवर्ती ने मुख्यमंत्री पर बोला हमला

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्र सरकार द्वारा वक्फ के प्रबंधन में सुधार के लिए पारित किए गए वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा लगातार बढ़ती जा रही है। कट्टरपंथियों के द्वारा हिन्दुओं को टार्गेट कर किए जा रहे हमलों पर अभिनेता व भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में खुद ममता बनर्जी ही हिन्दुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गई हैं। वो साम्प्रदायिक तनाव फैला रही हैं। मिथुन चक्रवर्ती ने राज्य में

हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर कहा कि पश्चिम बंगाल में हिन्दू बेघर हो गया है। वह राहत कैंपों में रहने और खिचड़ी खाने को मजबूर है। आखिर उसकी गलती क्या है? उन्होंने कहा कि सीएम ममता बनर्जी अपनी राजनीति के लिए साम्प्रदायिक तनाव फैलाकर दो समुदायों के बीच फूट डालने का काम कर रही हैं। वो जानबूझकर पहले मुस्लिम समुदाय के लोगों को भ्रमित करती हैं और फिर उन्हें भड़काती हैं। भाजपा नेता ने वक्फ कानून के खिलाफ ममता बनर्जी की बयानबाजियों को लेकर सवाल किया कि भारत की संसद ने जिस कानून को पास किया है, उसे लागू नहीं करने की ताकत आखिर ममता बनर्जी को किसने दी है। क्या वो संविधान से ऊपर हो गई हैं? वो सिर्फ एक मुख्यमंत्री हैं, वो संविधान से ऊपर तो नहीं?

हुगली में दिल दहला देने वाली घटना, एक ही परिवार के तीन लोगों ने की आत्महत्या

हुगली : हुगली जिले के गोघाट थानांतर्गत बेंगाई ग्राम पंचायत के उपशालझार गांव में गुरुवार सुबह एक ही परिवार के तीन लोगों की फंदे से लटकते शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान अनिमा नंदी (71), काशीनाथ नंदी (55) और ममता नंदी (47) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गुरुवार की सुबह पड़ोसियों ने परिवार के तीनों सदस्यों को उनके खटाल में फंदे से लटका शव देखा, जिसके बाद तुरंत इसकी सूचना गोघाट थाने को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को नीचे उतारकर स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी

है। हुगली ग्रामीण पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्णु रॉय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पड़ोसियों का दावा है कि नंदी परिवार पिछले कई महीनों से मानसिक अवसाद से पीड़ित था। करीब आठ महीने पहले काशीनाथ नंदी के बेटे शांतनु नंदी (21), जो एक मेडिकल छात्र था, ने भी आत्महत्या कर ली थी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का पता चल पाएगा।

विद्यासागर सेतु पर यात्रियों से भरी बस में लगी आग, सभी सुरक्षित

कोलकाता : हावड़ा और कोलकाता को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण विद्यासागर सेतु पर सोमवार देर रात एक बस में अचानक आग लग गई। बस यात्रियों से भरी हुई थी और जैसे ही आग भड़की, बस धू-धू कर जलने लगी। इस घटना के कारण द्वितीय हुगली सेतु पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं और आग बुझाने का कार्य तुरंत शुरू किया गया। राहत की बात यह रही कि सभी यात्री समय रहते बस से उतर गए और कोई जनहानि नहीं हुई।

यात्रियों के अनुसार, सबसे पहले बस के कंडक्टर ने आग लगने की

जानकारी दी। इसके बाद अफरा-तफरी में सभी यात्री बस से बाहर निकलने लगे। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि जान बच गई, लेकिन यात्रियों के सामान, दस्तावेज़ और अन्य जरूरी चीज़ें जलकर राख हो गईं।

बताया जा रहा है कि यह बस कोलकाता से पुरुलिया जा रही थी और सेतु पर पहुँचते ही अचानक इसमें आग लग गई। आग लगने के कारणों की जाँच की जा रही है। दमकल कर्मियों की मुस्तैदी और यात्रियों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

लालबाजार ने शहर में सभाओं और जुलूसों पर लगाया कड़ा 'नियंत्रण'

कोलकाता, समाज्ञा : अब से, शहर में होने वाली किसी भी बड़ी सभा के लिए पुलिस की त्वरित 'अनुमति' नहीं ली जाएगी, क्योंकि लालबाजार शहर में होने वाली बैठकों और जुलूसों पर 'नियंत्रण' ला रहा है। सभाओं और जुलूसों के लिए कौन अनुमति मांग रहा है, कितने लोग जुटेंगे, लोग कहां से आ रहे हैं, विषय क्या है, अनुमति के लिए सब कुछ पहले से ही सत्यापित किया जाएगा। अनुमति मामला-दर-मामला आधार पर अलग-अलग होगी। यानी, 'अनुमति' सभा-जुलूस के 'चरित्र' पर निर्भर करेगी। कोलकाता पुलिस आयुक्त ने कहा कि हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां किसी समारोह के बाद स्थिति आयोजकों के नियंत्रण से बाहर हो गई। कई मामलों में बिना अनुमति के सभाएं आयोजित की गयीं। इसलिए, भविष्य में अशांति से बचने के लिए लालबाजार विशेष रूप से सतर्क है।

उत्तरी भाटोरा हाई स्कूल के सुवर्ण जयंती समापन समारोह में चमके छात्र

हावड़ा : हावड़ा के द्वीपांचल क्षेत्र स्थित उत्तर भाटोरा हाई स्कूल की सुवर्ण जयंती समापन समारोह गुरुवार से शुरू हुआ, जो शुक्रवार और शनिवार तक चलेगा। समारोह के पहले दिन स्कूल परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, इतिहास पाठ, और छात्रों द्वारा तात्कालीन भाषण का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित थे उलुबेरिया के एस.डी.ओ., आमता के विधायक सुकांत पाल, और कई विशिष्ट अतिथि। स्कूल, शिक्षक, छात्र और अतिथियों के नेतृत्व में एक रंगारंग शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर छह महान विभूतियों की मूर्तियां स्थापित की गईं, जिन पर अतिथियों ने माल्यार्पण किया। विधायक सुकांत पाल ने कहा, यह स्कूल इस द्वीपांचल के लिए जीवनरेखा है। इसके बिना बच्चों को 8 किमी दूर पढ़ने जाना पड़ता।

करीब डेढ़ महीने से लापता नाबालिग को लिलुआ से बचाया गया, दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिला के भाटपाड़ा निवासी एक परिवार की 15 वर्षीय नाबालिग लड़की फरवरी के अंत में लापता हो गयी। जब पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई तो पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। करीब डेढ़ महीने बाद, बुधवार को लापता नाबालिग लड़की को हावड़ा के लिलुआ से बचाया गया। पुलिस ने इस पूरी घटना में दो लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के नाम ऋषिपाल सिंह उर्फ अमित (50) और मोनिका सिंह के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नाबालिग अकेले घर से निकलकर हावड़ा स्टेशन गई थी। तभी, संदिग्धों ने उसे बहला-फुसलाकर उसका अपहरण

कर लिया। दूसरी ओर, पुलिस ने उसी दिन छापेमारी के दौरान घटनास्थल से एक अन्य नाबालिग लड़की को बचाया। वह हल्दिया की निवासी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसका अपहरण भी इसी तरह किया गया था। हालांकि, जांच अधिकारी फिलहाल इस दूसरे नाबालिग के बारे में अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। इतना ही नहीं, आरोप यह भी है कि दोनों नाबालिगों का अपहरण करने के अलावा उनके साथ शारीरिक दुर्व्यवहार भी किया गया। गुरुवार को बैरकपुर अदालत में पेश किए जाने पर न्यायाधीश ने गिरफ्तार व्यक्तियों को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने अनुमान लगाया कि गिरफ्तार लोग तस्करी का गिरोह चला रहे थे। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि इस गिरोह में कोई और भी शामिल है या नहीं। जांच अधिकारी गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर तस्करी गिरोह की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

तेज रफ्तार बेकाबू बाइक दीवार से टकरायी, युवक की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव थानांतर्गत सुभाष नगर इलाके में गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार बाइक दुर्घटना में लगभग 30 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान अभिजीत चंद के रूप में हुई है, जो बनगांव नगरपालिका के वार्ड नंबर 7 के नाकपाड़ा इलाके का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार से आ रही एक मोटरसाइकिल अपना नियंत्रण खो बैठी और दीवार से टकरा गई। बाइक चालक सड़क किनारे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। युवक को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

धान के खेत में बिजली का करंट लगने से दो भाईयों की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना के सुंदरबन कोस्टल थाना इलाके में बिजली का करंट लगने से दो भाईयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सौमित्र मंडल (37) और पवित्र मंडल (32) के रूप में हुई है। यह घटना चरघेरी विधान कॉलोनी इलाके की है। घटना की जानकारी मिलते ही सुंदरबन कोस्टल पुलिस ने मृतकों के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय सूत्रों से पता चला है कि इलाके के एक निवासी पूर्णेंदु विश्वास ने अपने धान के खेत में चूहों के हमले से बचने के लिए खेत में बिजली से चलने वाला तार डाल रखा था। उसी समय, दोनों भाई खेत से घर लौट रहे थे और खेत के रास्ते से गुजरते हुए बिजली के तार के संपर्क में आ गए। इस संपर्क के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद, खेत के मालिक पूर्णेंदु विश्वास फरार हो गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

धापा में बढ़ता जा रहा कचरे का पहाड़, क्या होगा समाधान? कोलकाता नगर निगम ने उठाया बड़ा कदम

कोलकाता : कोलकाता के धापा मैदान में कचरे का पहाड़ दिन-ब-दिन ऊँचा होता जा रहा है। इसे लेकर नगर प्रशासन गंभीर है और समाधान के तौर पर रीसाइक्लिंग को भविष्य की दिशा बताया गया है। राज्य के शहरी विकास मंत्री और कोलकाता नगर निगम के मेयर फिरहाद हाकिम ने हाल ही में धापा स्थित विभिन्न रीसाइक्लिंग प्लांटों का दौरा किया और अन्य नगर निकायों को भी इसी राह पर चलने की सलाह दी।

कोलकाता नगर निगम न सिर्फ अपने क्षेत्र का कचरा संभाल रहा है, बल्कि हावड़ा नगर निगम की भी मदद कर रहा है। हावड़ा के भागार इलाके की कचरा समस्या को सुलझाने के लिए कोलकाता हर दिन वहां से कचरा उठाकर धापार मैदान में ला रहा है। सिर्फ हावड़ा ही नहीं, बल्कि विधाननगर, पनिहाटी और

अन्य नगर निकाय व विकास प्राधिकरण भी कोलकाता नगर निगम के धापा क्षेत्र में अपना कचरा भेजते हैं।

धापा मैदान में रोजाना लगभग 5200 मीट्रिक टन कचरा जमा हो रहा है, जिसमें से सिर्फ 1500 मीट्रिक टन कचरे को ही रीसाइक्लिंग के ज़रिए दोबारा इस्तेमाल किया जा पा रहा है। कोलकाता नगर निगम इस क्षमता को और बढ़ाने के प्रयास में जुटा है और कचरे के इस बढ़ते बोझ को संभालने के लिए एक वैकल्पिक स्थल की तलाश भी की जा रही है।

धापा में पहले से ही खाद निर्माण, सीएनजी गैस उत्पादन, प्लास्टिक रीसाइक्लिंग और थर्मोकोल से ग्रैन्यूल्स बनाने जैसे कई रीसाइक्लिंग प्रोजेक्ट चल रहे हैं। नगर निगम के अनुसार, वर्तमान में कुछ नगर निगमों की गाड़ियाँ धापा के सीएनजी गैस से चलाई जा रही हैं। मेयर ने निर्देश दिया है कि भविष्य में कोलकाता नगर निगम की सभी गाड़ियाँ इसी सीएनजी गैस से चलें, इसके लिए और यूनिट्स की स्थापना की जाए।

इसी दौरान मेयर फिरहाद हाकिम ने धापा स्थित जयहिंद जल परियोजना का निरीक्षण भी किया। यह संयंत्र फिलहाल प्रतिदिन 30 मिलियन गैलन पानी का उत्पादन कर रहा है और इसकी क्षमता को 20 मिलियन गैलन और बढ़ाने का कार्य चल रहा है। 132 करोड़ रुपये की लागत से विस्तार कार्य हो रहा है, जिसकी प्रगति जानने के लिए मेयर ने स्थल का दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान मेयर ने पाया कि श्रमिकों की कमी के कारण काम की गति धीमी पड़ रही है। उन्होंने मुर्शिदाबाद और मालदा के श्रमिकों की अनुपलब्धता के चलते अन्य क्षेत्रों से श्रमिक लाकर काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईद और चड़ाक पूजा की वजह से कुछ श्रमिक छुट्टी पर हैं, लेकिन श्रमिकों की उपलब्धता को लेकर कोई समस्या नहीं होगी।

कोलकाता नगर निगम की इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि शहर में बढ़ते कचरे की समस्या का स्थायी समाधान निकलेगा और आने वाले समय में रीसाइक्लिंग से न सिर्फ पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी।

आज भाजपा नेता दिलीप घोष रचाएंगे शादी

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद दिलीप घोष अपने जीवन के 61वें वर्ष में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। वह आज यानी शुक्रवार को अपने न्यू टाउन स्थित आवास पर दुल्हन रिंकू मजूमदार के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू भाजपा की दक्षिण कोलकता की सक्रिय नेता और कार्यकर्ता हैं और दोनों की पहली मुलाकात पार्टी के कार्य के दौरान ही हुआ था। दिलीप के करीबी लोगों के अनुसार, पिछले लोकसभा चुनाव हार गए थे तो वे काफी उदास थे, तो रिंकू ही पहली व्यक्ति थीं जिन्होंने उन्हें प्रस्ताव दिया था कि वे साथ मिलकर परिवार शुरू करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके साथ

कोई नहीं है। वह दिलीप के साथ रहना चाहती है। अब तक कुवांरा रहे दिलीप ने पहले तो मना कर दिया था, लेकिन बाद में अपनी मां के आग्रह पर विचार कर सहमत हो गए। क्योंकि, छह महीने पहले भी उन्होंने शादी के बंधन में बंधने के बारे में नहीं सोचा था। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें यह भी एहसास हुआ कि जीवन का यह चक्र भी पूरा होना चाहिए। मामले पर दिलीप ने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा कि क्यों, क्या मैं शादी नहीं कर सकता? क्या शादी करना अपराध है? दिलीप ने हां या ना नहीं कहा। लेकिन जिस तरह उन्होंने 'हां' नहीं कहा, उसी तरह उन्होंने 'नहीं' भी नहीं कहा। इस हालांकि, दिलीप के करीबी लोगों का कहना है कि हमेशा की तरह उन्होंने एक 'साहसिक' निर्णय लिया है। पार्टी के एक वर्ग ने उन्हें बधाई भी दी है। विवाह में आमंत्रित लोगों की संख्या बहुत अधिक नहीं है। मुख्य रूप से दिलीप और रिंकू के करीबी रिश्तेदारों को ही आमंत्रित किया गया है। रिंकू तलाकशुदा गृहिणी है। एक बेटे की मां है। उनका बेटा सेक्टर पांच में आईटी क्षेत्र में काम करता है।

न्यूज इन ब्रीफ

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 42.1 डिग्री सेल्सियस तापमान झांसी में दर्ज किया गया

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में बृहस्पतिवार को मौसम काफी गर्म रहा। बुंदेलखंड में झांसी सबसे गर्म स्थान रहा जहां दिन का अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, इसके बाद सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान बुलंदशहर में 42 डिग्री और आगरा में 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लखनऊ में यह 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

उत्तर प्रदेश: स्कूल न जाने पर पिता की डांट से आहत 11 वर्षीय लड़के ने आत्महत्या की

बिजनौर : उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में 11 वर्षीय एक लड़के ने स्कूल न जाने को लेकर पिता की डांट से आहत होकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। किरतपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) वीरेंद्र कुमार ने बताया कि घटना बुधवार को मिल्कियां मोहल्ला की है, जहां निसार नाम के एक व्यक्ति ने अपने बेटे शादान को स्कूल में बार-बार अनुपस्थित रहने के लिए डांटा था। अधिकारी ने बताया, पिता की डांट से आहत होकर शादान घर से चला गया और जब वह वापस नहीं लौटा तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में उसका शव पास के खाली प्लॉट में दीवार पर लगे हुक से लटका हुआ मिला। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच जारी है।

पटना पुलिस ने 'जघन्य अपराधों' के आरोप में 230 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया

पटना : बिहार की पटना पुलिस ने राज्य में ''वांछित और फरार'' अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए अभियान के दौरान 237 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को दिनभर चलाये गये अभियान के दौरान इन सभी लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

हर पीड़ित को न्याय दिलाकर उसके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का ध्येय: मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि हर पीड़ित को न्याय दिलाकर चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का ध्येय है। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 125 से अधिक पीड़ितों से 'जनता दरबार' के तहत मुलाकात की और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। एक बयान के मुताबिक, जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामलों को लेकर प्रार्थना पत्र मुख्यमंत्री को दिए गए। उन्होंने आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पीड़ित को न्याय दिलाकर उसके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का ध्येय है। जनता दरबार में चंदौली से आए दो युवकों को मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक चार्जिंग वॉकिंग स्टिक भी दी। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुबह 10 बजे से कार्यालय में बैठें और जनशिकायतें सुनें। उन्होंने कहा कि स्थानीय शिकायतों का समाधान जनपद स्तर पर ही कराया जाए और जो समस्याएं शासन स्तर की हों, उन्हें ही यहां भेजा जाए। मुख्यमंत्री ने सभी पीड़ितों को आश्वस्त किया कि उनके प्रार्थना पत्रों पर उचित कार्रवाई कर समस्या का समाधान किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) एसपी गोयल, प्रमुख सचिव (गृह/मुख्यमंत्री) संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार समेत कई आलाधिकारी मौजूद थे।

राजस्थान के बूंदी में कुम्हार को 13.55 करोड़ रुपये के लेनदेन के लिए आयकर विभाग का नोटिस मिला

कोटा : राजस्थान में सालाना 95,000 रुपये कमाने वाला कुम्हार उस समय अचंभित हो गया जब उसे 2020-21 में 13.55 करोड़ रुपये के व्यापारिक लेनदेन के लिए पिछले माह आयकर विभाग से दो नोटिस मिले। मामला बूंदी जिले के झा-लीजी के बराना गांव में मटके बेचने का काम करने वाले विष्णु कुमार प्रजापत (32) से जुड़ा है। बाद में पता चला कि यह मामला संभवतः 'गलत पहचान' का है और पुलिस ने बुधवार को धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार विष्णु कुमार के पैन कार्ड और आधार की जानकारी का दुरुपयोग मुंबई स्थित एक फर्म ने कथित तौर पर दो व्यावसायिक लेनदेन में किया। फर्म संभवतः इस लेनदेन को संबंधित विभाग की जानकारी में लाने से बचना चाहती थी।

न्यूज अपडेट

झांसी में अनधिकृत तरीके से रेलवे लाइन पार करते समय कार बुंदेलखंड एक्सप्रेस से टकराई

झांसी (उप्र) : झांसी में अनधिकृत तरीके से रेलवे लाइन पार करते समय एक कार बुंदेलखंड एक्सप्रेस से टकरा गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात करीब एक बजे झांसी-मऊरानीपुर रेल मार्ग पर हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। झांसी रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी एम के सिंह ने बताया कि ग्वालियर से बनारस जाने वाली ट्रेन संख्या-11107 बुंदेलखंड एक्सप्रेस जब मगरपुर (झांसी) रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी तभी रेलवे लाइन पर एक वाहन को खड़ा देख ट्रेन के चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि प्रयास के बावजूद रेल इंजन कार से टकरा गया जिससे वाहन के परखच्चे उड़ गए। सिंह ने बताया कि ट्रेन को आता देख कार चालक पहले ही वाहन से उतर गया और मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि जिस जगह घटना हुई वहां कोई रेलवे फाटक नहीं था। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ने मौके पर पहुंच कर रेलवे लाइन को खाली कराया और बुंदेलखंड एक्सप्रेस करीब एक घंटे विलंब से रवाना हुई। उन्होंने बताया कि कार चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और पुलिस कार चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

वाराणसी सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने एसआईटी गठित की

वाराणसी (उप्र) : वाराणसी में 19 वर्षीय युवती से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कई आरोपियों के परिजनों द्वारा ज्ञापन दिए जाने के बाद पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने पीड़िता के आरोपों और आरोपियों के परिजनों के दावों की जांच के लिए यह एसआईटी गठित की है जिसमें पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त, अपराध शाखा और 'सर्विलांस सेल' के अधिकारी शामिल हैं। पुलिस आयुक्त ने इस मामले में निष्पक्ष जांच और किसी के साथ अन्याय न होने देने का भरोसा दिलाया। इस घटना में 23 नामजद आरोपियों में से 14 पहले से ही पुलिस हिरासत में हैं।

झारखंड: भाजपा का विरोध प्रदर्शन, संविधान पर टिप्पणी को लेकर मंत्री के इस्तीफे की मांग

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्य की राजधानी रांची में बृहस्पतिवार को विरोध मार्च निकाला और संविधान पर कथित टिप्पणी को लेकर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री हफीजुल हसन के इस्तीफे की मांग की। हसन ने 14 अप्रैल को कथित तौर पर ''संविधान से ऊपर शरीयत' वाला बयान दिया था जिसे लेकर विवाद पैदा हो गया था। हालांकि हसन ने बाद में दावा किया कि मीडिया ने उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया है, साथ ही कहा था कि शरीयत और संविधान दोनों ही उनके लिए समान रूप से अहम हैं। मरांडी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने संविधान की प्रतियां हाथों में ले कर झामुमो नीत सरकार और मंत्री के खिलाफ जिला स्कूल मैदान से 'आक्रोश प्रदर्शन' रैली निकाली। भाजपा की राज्य इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय ने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार के शासन में सांप्रदायिक ताकतों का हौसला बढ़ गया है। राय ने कहा, ' उन्हें सरकार से बाहर कर दिया जाना चाहिए। देश डॉ. बी.आर. आंबेडकर के संविधान के आधार पर ही चलेगा और यह सर्वोच्च रहेगा।'

राजद विधायक ने किया आत्मसमर्पण, रंगदारी मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

पटना : बिहार के पटना जिले की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को जबरन वसूली के एक मामले में राजद विधायक रीतलाल यादव और उनके तीन सहयोगियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामले में वांछित यादव और उसके साथियों ने आज दिन में दानापुर अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। दानापुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राजद विधायक और उनके तीन सहयोगी चिक्कू यादव, पिंकू यादव और श्रवण यादव को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दानापुर अदालत में पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, मैं एक राजनीतिक साजिश का शिकार हूं... मेरी जान को खतरा है... मेरी हत्या हो सकती है। अगर मैं जिंदा रहा तो जमानत के लिए कागजात दाखिल करूंगा। कुछ अधिकारी हैं जो मेरे खिलाफ हैं... मैं दोहराता हूं: मेरी जान को खतरा है। विधायक ने आरोप लगाया, पिछले कई महीनों से मुझे खत्म करने की साजिश रची जा रही थी। मुझे मारने के लिए कुछ अधिकारियों ने मेरे प्रतिद्वंद्वियों को एक अत्याधुनिक हथियार उपलब्ध कराया था।

महागठबंधन की बैठक में तेजस्वी के चेहरे पर नहीं बनी सहमति, सिर्फ कॉर्डिनेशन कमेटी की मिली कमान

पटना : बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है. इसे लेकर आज महागठबंधन में शामिल घटक दलों की पटना में बड़ी बैठक हुई. प्रदेश आरजेडी ऑफिस में 3 घंटे तक चली इस मीटिंग में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के अलावा बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु समेत लेफ्ट और वीआईपी के नेता मुकेश सहनी भी शामिल हुए. बैठक के बाद महागठबंधन के नेताओं ने कहा कि चुनाव में महागठबंधन मजबूती के साथ जनता के बीच जाने के लिए एक कॉर्डिनेशन कमेटी का गठन होगा. तेजस्वी यादव को इस कॉर्डिनेशन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है. भले ही तेजस्वी को कॉर्डिनेशन कमेटी की कमान दे दी गई, लेकिन महागठबंधन के चेहरे के तौर पर तेजस्वी के नाम का ऐलान नहीं हो पाया. दरअसल, महागठबंधन के नेताओं की प्रेस वार्ता में जैसे ही कॉर्डिनेशन कमेटी का ऐलान हुआ, उसके बाद तेजस्वी यादव से महागठबंधन के चेहरे को लेकर सवाल होने लगा. तेजस्वी ने अपने ठीक पास में बैठे बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु की तरफ इशारा करते हुए उन्हें जवाब देने को कहा. बिहार कांग्रेस प्रभारी ने सवाल लेने से पहले ही यह कह दिया कि वह किसी सवाल को बार-बार पूछे जाने पर एक ही जवाब देंगे. इसके बाद कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि महागठबंधन में चेहरे को लेकर कोई कंफ्यूजन नहीं है, यहां बिल्कुल क्लियेरिटी है, लेकिन महागठबंधन का चेहरा कौन होगा? इसका खुलासा बिहार कांग्रेस प्रभारी ने नहीं किया.

बॉलीवुड न्यूज़ अपडेट

कृतिका कामरा 'पीपली लाइव' की निर्देशक अनुषा रिजवी की अगली फिल्म में काम करेंगी

'भीड़', 'बंबई मेरी जान', और 'ग्यारह ग्यारह' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री कृतिका कामरा, 'पीपली लाइव' से मशहूर अनुषा रिजवी द्वारा निर्देशित एक आगामी महिला-प्रधान ड्रामा में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियोज द्वारा किया जा रहा है और इसमे शीबा चड्ढा और श्रेया धनवंतरी भी काम करेंगी। फिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं किया गया है। दिल्ली की जीवंत पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक मार्मिक मानवीय कहानी को उजागर करती है जो अपनी नायिकाओं की ताकत और दृढ़ता को दर्शाती है। जियो स्टूडियोज के एक प्रतिनिधि ने कहा कि वे इस फिल्म के लिए इतनी प्रतिभाशाली टीम को एक साथ लाने को लेकर उत्साहित हैं। प्रतिनिधि ने एक बयान में कहा, कहानी प्रभावशाली और समय के अनुरूप है, और हमें विश्वास है कि यह दर्शकों पर गहरा असर करेगी। फिल्म की शूटिंग अप्रैल के पहले सप्ताह में राजधानी में शुरू हो चुकी है।

अनुपम खेर, काजोल को महाराष्ट्र सरकार के राज कपूर फिल्म पुरस्कार के लिए चुना गया

प्रख्यात अभिनेता अनुपम खेर और काजोल देवगन को इस वर्ष महाराष्ट्र सरकार के प्रतिष्ठित राज कपूर फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। शेलार ने बताया कि खेर को राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चुना गया है, जबकि काजोल को राज कपूर स्पेशल कंट्रीब्यूशन पुरस्कार मिलेगा। इन पुरस्कारों में क्रमशः 10 लाख रुपये और छह लाख रुपये की नकद राशि दी जाती है। उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध अभिनेता, निर्देशक और निर्माता महेश मांजरेकर को चित्रपति वी शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया जाएगा, जिसमें 10 लाख रुपये नकद, एक स्मृति चिन्ह, एक प्रशस्ति पत्र और एक रजत पदक शामिल है। अभिनेत्री मुक्ता बर्वे को चित्रपति वी. शांताराम स्पेशल कंट्रीब्यूशन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जिसमें छह लाख रुपये की नकद राशि, एक स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और एक रजत पदक दिया जाएगा। वर्ष 1993 में गठित लता मंगेशकर संगीत पुरस्कार इस साल दिग्गज मराठी गजल गायक भीमराव पंचाले को दिया जाएगा। इस सम्मान में 10 लाख रुपये नकद, एक स्मृति चिन्ह, एक प्रशस्ति पत्र और एक शॉल शामिल है। शेलार ने मंत्रालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पुरस्कारों की घोषणा करते हुए कहा, ' ये पुरस्कार उन कलाकारों के अद्वितीय योगदान को मान्यता देते हैं जिन्होंने भारतीय सिनेमा और संगीत को समृद्ध किया है। उनके काम का जश्न मनाना सरकार के लिए सम्मान की बात है।' उन्होंने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह 25 अप्रैल को यहां एनएससीआई डोम में होगा।

अली फजल और सोनाली बेंद्रे रंगा-बिल्ला मामले पर आधारित वेब सीरीज में नजर आएंगे

अभिनेता अली फजल और अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे जल्द ही रंगा-बिल्ला नामक चर्चित आपराधिक मामले पर आधारित एक वेब सीरीज में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्देशन 'पाताल लोक' के निर्देशक प्रोसित रॉय कर रहे हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार फजल और बेंद्रे ने दिल्ली में इस सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है। विज्ञप्ति में कहा गया है, टीम पिछले कई महीनों से इस मामले पर विस्तार से शोध कर रही है। सीरीज में हत्या के बाद सामने आई घटनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसे संवेदनशीलता के साथ पेश किया जा रहा है और इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि इस मामले ने दिल्ली को कितनी गहराई से प्रभावित किया है। रंगा और बिल्ला ने 1978 में दिल्ली में फिरौती के लिए दो भाई-बहन का अपहरण किया था। लेकिन जब रंगा और बिल्ला को पता चला कि भाई-बहन गीता और संजय चोपड़ा एक नौसेना अधिकारी के बच्चे हैं, तो वे घबरा गए और उन्हें मार डाला। गीता की हत्या से पहले उसके साथ बलात्कार किया गया था। कुलजीत सिंह उर्फ रंगा और जसबीर सिंह उर्फ बिल्ला को मृत्युदंड दिया गया और चार साल बाद उन्हें फांसी दे दी गई।

अभिनेत्री का इंस्टाग्राम अकाउंट और फोन हैक

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू का इंस्टाग्राम अकाउंट किसी हैकर्स ने हैक कर लिया है। इसे लेकर अभिनेत्री को कई तरह की डिजिटल परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। इस मामले को लेकर एक्ट्रेस ने एक संदेश साझा करते हुए लोगों का आगाह किया है। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहा।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम हैक को लेकर क्या कहा?

हाल ही में अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू प्रसन्ना का इंस्टाग्राम किसी डिजिटल हैकर द्वारा हैक कर लिया गया है। इस वजह से अभिनेत्री के अकाउंट से हैकर्स लोगों से पैसे की भी डिमांड कर रहे हैं। इंस्टाग्राम हैक होने के कारण एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर लिखा, 'मेरा इंस्टाग्राम हैक हो गया है। कृपया मेरी स्टोरीज पर मौजूद किसी भी चीज से न जुड़ें।' साथ ही उन्होंने लिखा, 'अगर मुझे पैसे की जरूरत होगी, तो सोशल मीडिया पर सीधे आपसे मांग लूंगी।' यह बात अभिनेत्री ने हंसते हुए लिखा है।

किस बात पर अभिनेत्री ने पैसे वाली बात कही

आपको बताते चलें कि लक्ष्मी मांचू का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक जबसे हैक हुआ है, तबसे हैकर्स द्वारा पैसे के लेनदेन भी किए जा रहे हैं। वो अभिनेत्री के अकाउंट द्वारा लोगों से पैसे भी मांग रहे हैं, जिस वजह से अभिनेत्री ने पैसे मांगने वाली बात कही है। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने एक्स अकाउंट में इससे जुड़े स्क्रीनशॉट्स भी शेयर किए हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने लिखा कि अकाउंट वापस लाने में उनकी मदद करें। वहीं उन्होंने अपने फोन नंबर हैक होने वाली बात को भी शेयर किया है, साथ ही स्क्रीनशॉट भी डाला है, जिसमें किसी नाइजीरिया के नंबर से उनके पास संदेश आया है।

लक्ष्मी मांचू का वर्कफ्रंट

अगर अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार डिज्नी हॉटस्टार की वेब सीरीज 'यक्षिणी' में देखा गया था।

करण जौहर ने कॉफी विद करण के नए सीजन को लेकर दिया बड़ा अपडेट

निर्माता-निर्देशक और होस्ट करण जौहर अपने चैट शो 'कॉफी विद करण' को लेकर भी काफी चर्चाओं में रहते हैं। 'कॉफी विद करण' एक बेहद पॉपुलर शो है, जिसमें करण जौहर इंडस्ट्री से जुड़े सेलेब्स को बतौर गेस्ट बुलाते हैं। फैंस कॉफी विद करण के अगले सीजन का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब करण जौहर ने अपने चैट शो के अगले सीजन को लेकर एक बड़ा हिंट दिया है। जिससे शो के फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

इंस्टाग्राम लाइव पर करण ने दी बड़ी जानकारी

करण जौहर ने आज किए अपने एक इंस्टाग्राम लाइव सेशन के दौरान अपने चैट शो 'कॉफी विद करण' के नए सीजन को लेकर एक बड़ा हिंट दिया है। जिससे ये स्पष्ट होता है कि जल्द ही शो का अगला सीजन सामने आएगा। इंस्टाग्राम लाइव सेशन के दौरान करण जौहर ने आधिकारिक तौर पर कॉफी विद करण के नौवें सीजन के साथ वापसी की पुष्टि की है।

प्रशंसकों की ओर से लगातार पूछे जा रहे सवालों के बीच, एक यूजर ने

करण से पूछा, सीजन 8 कब? इस यूजर के सवाल का जवाब देते हुए करण जौहर ने चुटीले अंदाज में कहा, यह सीजन 8 नहीं है, बल्कि यह वास्तव में सीजन 9 है। जो जल्द ही आपके नजदीकी डिजिटल डेस्कटॉप पर आ रहा है।

फैंस हुए एक्साइटेड

शो के होस्ट करण जौहर के यूजर को इस तरह का जवाब देने के बाद से फैंस में 'कॉफी विद करण' के 9वें सीजन को लेकर उत्साह काफी बढ़ गया है। क्योंकि फैंस काफी लंबे वक्त से शो के नए सीजन को लेकर कोई अपडेट चाह रहे थे। अब करण जौहर ने खुद ये संकेत दे दिया है कि कॉफी विद करण का नया सीजन जल्द ही आने वाला है। जिसके बाद अब फैंस को बस शो के नए सीजन की तारीख का इंतजार है।

अब तक आ चुके हैं 8 सीजन

2004 में शुरू होने वाले 'कॉफी विद करण' के अब तक आठ सीजन आ चुके हैं। इस शो में फिल्मी जगत से जुड़े बड़े से बड़े स्टार्स और न्यू कमर्स भी शिरकत करते हैं। बातचीत के दौरान सेलेब्स के नए-नए खुलासे अक्सर चर्चा का विषय बना करते हैं।

रितेश देशमुख ने की नई फिल्म की घोषणा

रितेश देशमुख अभिनेता के साथ-साथ निर्माता-निर्देशक भी हैं। अब रितेश देशमुख ने अपनी नई फिल्म की घोषणा कर दी है, जिसका निर्माण उनका प्रोडक्शन हाउस मुंबई फिल्म कंपनी, जियो स्टूडियो के साथ मिलकर कर रहा है। रितेश देशमुख ने घोषणा की कि उनका प्रोडक्शन हाउस भारत के सबसे महान योद्धाओं में से एक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक फिल्म पर काम कर रही है। जिसका नाम 'राजा शिवाजी' है। इस फिल्म की घोषणा के साथ ही रितेश देशमुख ने दुनियाभर के क्रिएटिव लोगों के लिए भी एक नए मौके की घोषणा की है। रितेश देशमुख ने ये घोषणा सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट के जरिए दी है।

रितेश देशमुख ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो को साझा करते हुए रितेश देशमुख ने नई फिल्म की घोषणा करने के साथ ही क्रिएटिव लोगों के लिए भी घोषणा की है। अपनी इस वीडियो पोस्ट में रितेश ने कलाकारों और डिजाइनरों से अपने कौशल का प्रदर्शन करने की अपील की है। रितेश ने अपनी फिल्म के लिए लोगों से एक शानदार टाइटल लोगो तैयार करके भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सेलेक्ट हुए डिजाइनर को उसका क्रेडिट दिया जाएगा।

इस वीडियो को साझा करते हुए रितेश देशमुख ने कैप्शन में लिखा, हम वर्तमान में भारत के सबसे महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जिसका शीर्षक 'राजा शिवाजी' है। हम एक लुभावना शीर्षक लोगो (फॉन्ट देवनागरी और रोमन अंग्रेजी) बनाने के लिए प्रतिभाशाली कलाकारों और डिजाइनरों की तलाश में हैं। यदि आप चुनौती के लिए तैयार हैं, तो अपने डिजाइन साझा करें। चयनित डिजाइनर को उचित श्रेय दिया जाएगा।

'जाट' का जलवा पड़ गया फीका

सनी देओल की फिल्म 'जाट' को लेकर रिलीज से पहले काफी क्रेज नजर आया। जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई तो पहले दिन इस फिल्म ने 9.5 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला। यह कलेक्शन पहले दिन के मुकाबले ठीक-ठाक ही रहा। लेकिन कुछ ही दिनों में इस फिल्म के कलेक्शन में लगातार गिरावट दर्ज की गई। जानिए, आठवें दिन आकर सनी देओल की इस फिल्म ने कितना कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर किया है।

अब तक प्राप्त शुरुआती आंकड़ों के अनुसार फिल्म 'जाट' ने आठवें दिन 2.44 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म के कुल कलेक्शन की बात की जाए तो इसने अब तक 59.94 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म 'जाट' का बजट लगभग 100 करोड़ रुपये है। फिल्म को हफ्ते भर से अधिक का समय हो गया है लेकिन यह अब तक अपना बजट तक वसूल नहीं कर पाई है।

फिल्म 'जाट' अभी तक अपना बजट वसूल करने से काफी दूर है। फिल्म में सनी देओल एक्शन अंदाज में नजर आए, दर्शकों को उनका यही स्टाइल भाता है। मगर लगता है कि फिल्म 'जाट' का एक्शन और कहानी दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आई। कुछ फिल्म समीक्षकों के अनुसार इस फिल्म को देखकर बी ग्रेड फिल्मों को देखने के जैसा आभास होता है।

18 अप्रैल को अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी 2' रिलीज हो रही है। इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को पसंद आया है। फिल्म जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार से जुड़ती है। देशभक्ति का रंग फिल्म में है, ऐसे में जब अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी 2' सनी देओल की 'जाट' के सामने आएगी तो इसके लिए कलेक्शन पर असर जरूर होगा।

फिल्म 'जाट' में सनी देओल लीड रोल में नजर आए। वहीं रेजिना कसांड्रा, रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, संयमी खेर, राम्या कृष्णन और जगपति बाबू जैसे सितारे नजर आए हैं। फिल्म में रणदीप हुड्डा विलेन के रोल में थे। इस फिल्म के निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

पचास करोड़ का कुत्ता मंगाने का दावा करने वाले व्यक्ति के घर पहुंची ईडी की टीम

बेंगलुरु : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का दल बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा विनिमय नियमों के उल्लंघन के मामले में तलाशी के लिए एक व्यक्ति के घर पहुंचा। व्यक्ति ने 50 करोड़ रुपये के कुत्ते का आयात करने का दावा किया था। हालांकि, यह दावा फर्जी पाया गया। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि संघीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने पाया कि उस व्यक्ति के पास इतना महंगा कुत्ता खरीदने के लिए 'कोई साधन नहीं था', और ऐसी खबरें संभवत: सोशल मीडिया के लिए गढ़ी गई थीं। खबरों के अनुसार, उस व्यक्ति ने दावा किया था कि उसने 'दुनिया का सबसे महंगा' कुत्ता आयात किया है, जो कोकेशियन शेफर्ड और वुल्फ का 'क्रॉस-ब्रीड' है। यह दावा सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो गया और ईडी की नजर उस पर पड़ गई। संघीय जांच एजेंसी के अधिकारी इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए दावों की पुष्टि करने के लिए उसके घर पहुंचे, लेकिन पाया कि दावा फर्जी था।

प्रख्यात रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

नयी दिल्ली : प्रख्यात रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। उनके कार्यालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित पटनायक ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्र प्रमुख से मुलाकात की। इसने अपने आधिकारिक 'एक्स हैंडल' से मुलाकात की तस्वीर साझा करते पोस्ट किया, ''प्रसिद्ध भारतीय रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' राष्ट्रपति कार्यालय ने इस महीने की शुरुआत में पटनायक द्वारा ब्रिटेन में बनाई गई भगवान गणेश की रेत की मूर्ति की तस्वीर भी साझा की। पटनायक पहले भारतीय हैं जिन्हें दक्षिणी इंग्लैंड के डोरसेट काउंटी के वेमाउथ में आयोजित सैंडवर्ल्ड 2025 अंतरराष्ट्रीय 'सैंड आर्ट फेस्टिवल' के दौरान इस क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 'फ्रेड डारिंगटन सैंड मास्टर अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

आईएनएक्स मीडिया मामला : पी चिदंबरम, कार्ति की याचिकाओं पर सुनवाई 28 अप्रैल को

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता पी चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति चिदंबरम की उन याचिकाओं पर 28 अप्रैल से पहले सुनवाई करने से इनकार दिया, जिसमें दोनों ने आईएनएक्स मीडिया से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में उनके खिलाफ आरोप तय करने पर बहस टालने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने स्पष्ट किया कि अदालत निर्धारित तिथि 28 अप्रैल को ही मामले पर सुनवाई करेगी। उन्होंने कहा कि पक्षकार निचली अदालत से 22 अप्रैल को उसके समक्ष होने वाली सुनवाई को स्थगित करने का अनुरोध कर सकते हैं। न्यायमूर्ति डुडेजा ने कहा कि निर्धारित तिथि से पहले सुनवाई करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, 28 (अप्रैल) ज्यादा दूर नहीं है। हम मामले पर सुनवाई करेंगे। याचिकाओं पर सुनवाई तय तारीख को दोपहर साढ़े तीन बजे होगी।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में लिए गए

नयी दिल्ली : बांग्लादेश में मानव तस्करी के मामले में शामिल 38 वर्षीय एक व्यक्ति समेत दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान रबीउल इस्लाम (38), उसकी पत्नी सीमा (27) और बेटे अब्राहम (5), पापिया खातून (36) और उसकी बेटियों सादिया सुल्ताना (21) और सुहासिनी (1) के अलावा आर्यन (7) तथा रिफत आरा मोयना (28) के रूप में हुई है।

भारत 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों का निर्माण करेगा : राजनाथ

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस साल भारत का रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है और 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये मूल्य के सैन्य उपकरणों के निर्माण का लक्ष्य है। राजनाथ ने कहा कि भारत रक्षा उपकरणों के आयात पर अपनी निर्भरता कम करेगा और एक रक्षा औद्योगिक परिवेश तंत्र बनाएगा, जो न केवल देश की जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि रक्षा निर्यात की क्षमता को भी मजबूत करेगा। रक्षा मंत्री ने 'द वीक' पत्रिका द्वारा आयोजित 'डिफेंस कॉन्क्लेव 2025 - फोर्स ऑफ द फ्यूचर' में अपने संबोधन में यह बात कही। सिंह ने इस बात पर

जोर दिया कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता का उद्देश्य विवादों और संघर्षों को भड़काना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की रक्षा क्षमताएं क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए एक विश्वसनीय प्रतिरोधक शक्ति की तरह हैं और शांति तभी संभव है जब भारत मजबूत बना रहे। उन्होंने भारत की बढ़ती सामरिक क्षमताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अब मिसाइल प्रौद्योगिकी (अग्नि, ब्रह्मोस मिसाइल), पनडुब्बियों (आईएनएस अरिहंत), विमान वाहक पोत (आईएनएस विक्रांत), ड्रोन, साइबर रक्षा और हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणालियों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकसित देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कावेरी इंजन परियोजना के अंतर्गत हुई महत्वपूर्ण प्रगति तथा घरेलू क्षमता निर्माण के लिए सफ्रान, जी.ई. और रोल्स रॉयस जैसी वैश्विक कम्पनियों के साथ चल रही चर्चाओं की ओर इशारा करते हुए कहा, ''एयरो इंजन निर्माण एक चुनौती बनी हुई है।'' कावेरी परियोजना के अंतर्गत भारत ने स्वदेशी लड़ाकू जेट इंजन विकसित करने की योजना बनाई थी। इस परियोजना में काफी विलंब हुआ है।

सीबीआई ने केनरा बैंक धोखाधड़ी मामले में मेहुल चोकसी के खिलाफ गैर जमानती वारंट का किया अनुरोध

मुंबई : बेल्जियम में भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिन बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई की एक अदालत से केनरा बैंक से जुड़े धोखाधड़ी के एक अन्य मामले में उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने का अनुरोध किया है। उक्त मामले में चोकसी और अन्य पर केनरा बैंक के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम से 55.27 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में 13,000 करोड़ रुपये के ऋण ''धोखाधड़ी'' मामले में संलिप्तता के प्रमुख आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद बेल्जियम में 12 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया गया।

पाकिस्तान नाकाम देश है, जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की लगातार कोशिश कर रहा: सिन्हा

भद्रवाह/जम्मू : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान एक नाकाम देश है और वह केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादियों को भेजकर लगातार जम्मू-कश्मीर में शांति और सामान्य स्थिति को बाधित करने की कोशिश करता है। सिन्हा ने लोगों से आग्रह किया कि वे समाज में ऐसे व्यक्तियों के बारे में पुलिस को सूचित करें जो शांति और लोक कल्याण के विरोधी हैं। सिन्हा ने भद्रवाह में एक समारोह में कहा, जब भी यहां शांति स्थापित होती है, हमारे पड़ोसी को पेट में दर्द होने लगता है। उन्होंने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बलों ने प्रशासन के साथ समन्वय करके आतंकवाद को खत्म करने के लिए अभियान शुरू किया है, लेकिन पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने के अपने प्रयास जारी रखे हुए है। उपराज्यपाल ने कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि यह एक नाकाम देश है। यह अपने नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दे सकता। फिर भी यह लगातार आतंकवादियों को यहां भेजकर जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिश करता रहता है। सिन्हा ने जोर देकर कहा कि शांति के बिना विकास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, समाज में कुछ लोग आतंकवादियों को पनाह देते हैं और उनकी गतिविधियों में मदद करते हैं। उन्होंने कहा, मैं उनसे अपील करना चाहता हूं-अगर आप में से कोई भी ऐसे तत्वों का समर्थन कर रहा है, तो यह आपका कर्तव्य है कि आप उन्हें बचाएं नहीं, बल्कि पुलिस को सूचित करें।

हरियाणा भूमि सौदा : ईडी ने लगातार तीसरे दिन रॉबर्ट वाड्रा का बयान दर्ज किया

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2008 के हरियाणा भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में बृहस्पतिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा का लगातार तीसरे दिन बयान दर्ज किया। बृहस्पतिवार की पूछताछ के बाद, जांच के तहत वाड्रा (56) से पिछले तीन दिनों में लगभग 16 घंटे तक पूछताछ की गई है। वाड्रा (56) ने ईडी की कार्रवाई को उनके और उनके परिवार के खिलाफ ''राजनीतिक प्रतिशोध'' करार दिया है। वह अपनी पत्नी एवं वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ पूर्वाह्न 11 बजे के बाद मध्य दिल्ली स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। पूछताछ के बाद वाड्रा शाम छह बजकर 15 मिनट के आसपास ईडी कार्यालय से निकले। ईडी सूत्रों ने बताया कि फिलहाल रॉबर्ट वाड्रा को पेश होने के लिए कोई नई तारीख नहीं दी गई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उन्हें फिर से पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा या नहीं। सूत्रों ने बताया कि वाड्रा से कुल 16-17 सवाल पूछे गए और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया गया। वाड्रा ने सुबह संवाददाताओं से कहा कि उन्हें इस मामले में हरियाणा सरकार और ''खट्टर जी (हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर) से 2019 और 2020 में क्लीनचिट मिल चुकी है।'' उन्होंने कहा, ''वे (ईडी) इतने सालों के बाद मुझे क्यों बुला रहे हैं... यह एक राजनीतिक षडयंत्र है और इसीलिए लोगों को लगता है कि यह एजेंसियों का दुरुपयोग है।'' सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ईडी जल्द ही इस मामले में वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करेगी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा धन शोधन के दो अन्य मामलों की भी जांच होगी। इन मामलों में कुछ संपत्तियों की कुर्की भी की जा सकती है। वाड्रा के खिलाफ यह जांच हरियाणा के मानेसर-शिकोहपुर (अब गुरुग्राम में सेक्टर 83) में एक भूमि सौदे से जुड़ी है।

घर खरीदारों का बिल्डरों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन मानहानि नहीं: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि घर खरीदारों को अपनी शिकायतों के लिए बिल्डरों के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने का अधिकार है और यह मानहानि नहीं है। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि आवश्यक तत्वों के बिना इसे आपराधिक अपराध के रूप में चित्रित करने का कोई भी प्रयास प्रक्रिया का स्पष्ट दुरुपयोग होगा और इसे ''शुरू में ही रोक दिया जाना चाहिए।'' पीठ ने कहा, ''कानून का उल्लंघन किए बिना शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार उपभोक्ताओं के पास होना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे विक्रेता को वाणिज्यिक वर्णन का अधिकार प्राप्त है।'' यह टिप्पणी उस समय की गई जब पीठ ने डेवलपर की सेवाओं से असंतुष्ट होने के बैनर लगाने के मामले में घर खरीदारों के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, ''हमने पाया कि अपीलकर्ताओं द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित था तथा उन्होंने किसी भी तरह से आपत्तिजनक या अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया। यह नहीं कहा जा सकता कि अपीलकर्ताओं ने लक्ष्मणरेखा पार की।'' उच्चतम न्यायालय ने कहा कि घर खरीदने वालों ने डेवलपर के खिलाफ किसी अभद्र या असंयमित भाषा का प्रयोग नहीं किया।

महाराष्ट्र में पहली से पांचवीं कक्षा तक के लिए हिंदी अनिवार्य तीसरी भाषा,मनसे ने की निंदा

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने दो भाषाओं का अध्ययन कराने की परंपरा से हटकर राज्य भर के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ना अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने राज्य सरकार के इस निर्णय की निंदा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस फैसले का पुरजोर विरोध करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि इसे लागू न किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत नए पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन में पहली से पांचवीं

कक्षा के लिए त्रि-भाषा फॉर्मूले को लागू किया गया है। राज्य स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूली शिक्षा के लिए एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुसार तैयार किए गए नए पाठ्यक्रम के चरणबद्ध कार्यान्वयन की योजना का ऐलान किया है। राज ठाकरे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मनसे इस निर्णय को बर्दाश्त नहीं करेगी। हम केंद्र सरकार के हर चीज को 'हिंदीकृत' करने के मौजूदा प्रयासों को इस राज्य में सफल नहीं होने देंगे।'' उन्होंने कहा, ''हिंदी राष्ट्र भाषा नहीं है। यह देश की अन्य भाषाओं की तरह राजभाषा है। महाराष्ट्र में इसे शुरू से ही क्यों पढ़ाया जाना चाहिए? आपका जो भी त्रि-भाषा फॉर्मूला है, उसे सरकारी मामलों तक ही सीमित रखें, शिक्षा में न लाएं।'' मनसे प्रमुख ने कहा, ''आपने महाराष्ट्र पर दूसरे क्षेत्र की भाषा क्यों थोपना शुरू कर दिया है? भाषायी क्षेत्रीयकरण के मूल सिद्धांत को कमजोर किया जा रहा है।''

ठाणे में 22 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की कोकीन जब्त, तीन गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मादक पदार्थ के मामले में दो विदेशी नागरिकों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 22 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की लगभग 15 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल ने बताया कि मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर 15 अप्रैल को शबीना नजीर शेख (42) नामक एक महिला को गिरफ्तार किया और उसके पास से 11.8 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई जिसकी कीमत 17.74 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि पहली गिरफ्तारी से ''हमें अन्य आरोपियों को पकड़ पाने और मादक पदार्थ के स्रोत के बारे में पता चला।'' शेख ने पुलिस को बताया कि नाइजीरिया के एक नागरिक ने उसे यह मादक पदार्थ दिया था। आरोपी की पहचान एंडी उबाबुडिके ओनींसे (45) के रूप में हुई है। वह मीरा रोड ईस्ट में रहता है। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 2.608 किलोग्राम कोकीन बरामद की, जिसकी कीमत 3.9 करोड़ रुपये है।

विकसित भारत के निर्माण में आंध्र प्रदेश की ग्राम पंचायतें अहम भूमिका निभाएंगी : पवन कल्याण

अमरावती : आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य की 13,000 से अधिक ग्राम पंचायतें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगी। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि राज्य सरकार ने 16वें वित्त आयोग के सामने बुधवार को शासन को मजबूत करने और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक सिफारिशें की हैं। उन्होंने कहा, हमारी 13,371 ग्राम पंचायतें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार

करने में अहम भूमिका निभाएंगी। आंध्र प्रदेश अपने गांवों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पवन कल्याण ने कहा कि ग्राम पंचायतें 'स्वर्ण आंध्र प्रदेश' के निर्माण की दिशा में भी कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम अपने गांवों को विकास के इंजन के रूप में बदल रहे हैं। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए आर्थिक सुधार, पारदर्शिता और आत्मनिर्भर ग्राम मॉडल को अपनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। बुधवार को सचिवालय में नौ बिंदुओं वाला एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसमें आंध्र प्रदेश की 13,371 ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, वित्तीय आवश्यकताओं और एकीकृत शासन व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया है।

उप्र में दलित और महिलाएं असुरक्षित, अपराधी बेखौफ: राहुल

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में एक मूक-बधिर दलित बच्ची से कथित तौर पर दुष्कर्म की घटना को लेकर बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राज्य में दलित और महिलाएं असुरक्षित हैं तथा अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि इस घटना में जल्द से जल्द न्याय होना चाहिए। रामपुर में मूक-बधिर दलित बच्ची से कथित तौर पर दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 11 वर्षीय पीड़ित बच्ची का मेरठ मेडिकल कॉलेज में उपचार किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची मंगलवार शाम अपने घर के बाहर से लापता हो गई थी और बुधवार सुबह एक स्थानीय किसान ने बच्ची को खेत में बेहोशी की हालत में पाया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''उत्तर प्रदेश के रामपुर में 11 वर्षीय दलित बेटी के साथ हुई दरिंदगी और क्रूरता बेहद शर्मनाक और झकझोरने वाली है। उत्तर प्रदेश में लगातार ऐसे अपराध साफ़ तौर पर साबित करते हैं कि भाजपा सरकार में दलित और विशेष रूप से बेटियां पूरी तरह असुरक्षित हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि यह भाजपा की दलित और महिला विरोधी मानसिकता का ही नतीजा है कि अपराधी कानून व्यवस्था से बेखौफ हैं और पीड़ित लाचार हैं। राहुल ने सवाल किया कि आखिर कब तक उत्तर प्रदेश की बेटियां ऐसी दरिंदगी का शिकार होती रहेंगी?

असम : बांग्लादेश के पांच घुसपैठिये पकड़े गये, वापस भेजा गया

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि असम के श्रीभूमि जिले से पांच बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार कर उन्हें वापस उनके देश भेज दिया गया है। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अवैध घुसपैठ पर कार्रवाई जारी है। श्रीभूमि जिला पुलिस ने आज सुबह पांच घुसपैठियों को पकड़ा और उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दिया।' शर्मा ने इससे पहले कहा था कि पिछले सात महीनों में 330 से अधिक घुसपैठियों को वापस भेजा गया है और राज्य सरकार घुसपैठ मुक्त असम के लिए प्रतिबद्ध है।

यमुना पुनरुद्धार पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई

नयी दिल्ली : यमुना पुनरुद्धार के विषय पर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में जन भागीदारी और अत्यधिक प्रदूषित नदी के पुनर्जीवन के लिए तात्कालिक आंकड़ों के इस्तेमाल और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे उपायों पर चर्चा की गई। एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली के लोगों के लिए छठ पूजा उत्सव मनाने के अनुभव में सुधार होना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास पर आयोजित बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य लोग शामिल हुए। दिल्ली सरकार के बयान में कहा गया कि यमुना नदी की वर्तमान स्थिति का आकलन करने और इसकी सफाई तथा पुनरुद्धार के लिए जारी योजन-ाओं पर चर्चा करने के लिए आयोजित बैठक में नदी को साफ करने की एजेंसी-वार कार्ययोजना की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छठ पूजा का त्योहार मनाते समय दिल्ली के लोगों के अनुभव में सुधार होना चाहिए। उन्होंने नदी के प्रति सम्मान पैदा करने तथा इसे यमुना के किनारे बसे शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन का हिस्सा बनाने के लिए लोगों व नदी के बीच संबंध बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

रेलवे सुरक्षा बल की सजगता, फरक्का एक्सप्रेस से 27 कछुए बरामद, सिलचर में मिले 450 जिंदा मेंढक

नयी दिल्ली : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तत्परता और सजगता का परिचय देते हुए फरक्का एक्सप्रेस से तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 27 कछुए बरामद किए हैं। आरपीएफ को सिक्योरिटी कंट्रोल दानापुर से सूचना मिली थी कि गाड़ी संख्या 15734 फरक्का एक्सप्रेस में कुछ संदिग्ध लोग यात्रा कर रहे हैं। इस सूचना के बाद करीब 21.20 बजे ट्रेन के आरा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आगमन के बाद आरपीएफ तथा जीआरपी आरा के अधिकारी ने जवानों के साथ फरक्का एक्सप्रेस को अटेंड किया।एक्सप्रेस ट्रेन में जीआरपी बक्सर की एस्कॉर्ट पार्टी के साथ अन्य स्टाफ के द्वारा कोच संख्या एस-2 के शौचालय के पास तीन पुरुष एवं एक महिला खड़े हुए पाए गए। इनके पास पिट्ठू बैग और झोला था, जिसको जीआरपी आरा/रे.सु.ब./आरा को सुपुर्द कर दिया गया। बाद में इस बैग को जीआरपी आरा के द्वारा विधिवत चेक किया गया तो रिहाना (31 वर्ष) पति विनोद के पास से उजला एवं पीले रंग के झोले में 04 अदद कछुआ और काला रंग के पिट्ठू बैग में 03 अदद कछुआ बरामद किए गए।वहीं विनोद नाम के व्यक्ति के पास से उजले एवं पीले रंग के झोले में 03 अदद कछुआ और नेवी रंग के पिट्ठू बैग में 02 अदद कछुआ तथा काला रंग के पिट्ठू बैग में 02 अदद कछुआ मिले। तीसरे व्यक्ति उमेश के पास से काला एवं लाल रंग के पिट्ठू बैग में 04 अदद कछुआ तथा बैगनी रंग के पिट्ठू बैग में 03 अदद कछुआ पाए गए। इसके अलावा नीला एवं काला रंग के पिट्ठू बैग में 06 अदद कछुआ बरामद हुए।उपरोक्त सभी के पास से रेलवे सुरक्षा बल ने 27 अदद जिंदा कछुआ बरामद किया और जीआरपी आरा द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जब्ती सूची बनाकर जब्त किया गया और जीआरपी थाना आरा लाया गया। बाद में उक्त गाड़ी के जीआरपी/ बक्सर एस्कॉर्ट पार्टी के इंचार्ज प्रधान आरक्षी किरण देवी केडिया के द्वारा एक लिखित शिकायत पत्र थानाध्यक्ष जीआरपी आरा को दिया गया।

ईडी की छापेमारी के बाद ईजमाईट्रिप ने महादेव सट्टेबाजी ऐप से जुड़े होने से इनकार किया

नयी दिल्ली : ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप ने बृहस्पतिवार को महादेव सट्टेबाजी ऐप या किसी अन्य सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के साथ किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध से इनकार किया। एक दिन पहले प्लेटफॉर्म के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद यह बयान आया है। ईडी ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में कई राज्यों में छापेमारी करते हुए पिट्टी के परिसरों पर छापा मारा था। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, अहमदाबाद, इंदौर, जयपुर, चेन्नई और ओडिशा के संबलपुर समेत 55 स्थानों पर छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि यह छापेमारी मामले में जुटाए गए कुछ नए साक्ष्यों के आधार पर की गई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में ईजमाईट्रिप के चेयरमैन 39 वर्षीय पिट्टी के परिसर और कार्यालय पर भी छापेमारी की जा रही है। ईजमाईट्रिप के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ईडी ने विभिन्न व्यक्तियों/कारोबारी संगठनों के 50 से अधिक परिसरों पर छापे मारे। उनमें से एक ईजमाईट्रिप परिसर भी है। बयान में कहा गया है, ईजमाईट्रिप का महादेव सट्टेबाजी ऐप या किसी अन्य सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के साथ कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है। हालांकि हम जांच के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

आजादी की शताब्दी तक हर क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर पहुंचने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा भारत: अमित शाह

जयपुर : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे होने तक दुनिया में हर क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर पहुंचने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम की भावना भारत ने सबसे पहले दुनिया में दी। शाह राजस्थान के सिरोही जिले के आबू रोड में ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा 'सुरक्षा बलों के कर्मियों के लिए आंतरिक जागृति के माध्यम से आत्म-सशक्तीकरण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संवाद को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि भारत दुनिया की

पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। शाह ने कहा, ''हमारा देश आज विश्व में पांचवें नंबर का अर्थतंत्र बन गया है। और मुझे पूरा विश्वास है कि कुछ ही साल में हम तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनेंगे। आजादी की शताब्दी तक हम विश्व में हर क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचने का लक्ष्य लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय परंपराओं में पूरी दुनिया को विश्व बंधुत्व की भावना की ओर ले जाने की क्षमता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''हर मानव के अंदर की आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़ने की शक्ति हमारी परंपराओं में है। और हर जीवन को सद्बुद्धि की राह पर ले जाने की शक्ति भी हमारी परंपराओं में है। ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाएं इसके लिए बहुत अच्छा काम कर रही हैं।'' सशस्त्र बलों के सुर-क्षाकर्मियों के योगदान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''उन्हीं के त्याग, तप व बलिदान के कारण आज हम सुरक्षित हैं। वे अपने जीवन का स्वर्णकाल देकर शून्य से नीचे 46 डिग्री सेल्सियस तापमान से लेकर 46 डिग्री सेल्सियस तापमान में हमारी सीमाओं की सुरक्षा करते हैं। तभी हम सुरक्षित हैं।''

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस की भारत यात्रा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगा किसान संगठन

नयी दिल्ली : ऑल इंडिया किसान सभा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस की आगामी भारत यात्रा के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेगी। एआईकेएस ने एक बयान में देश भर में अपनी सभी इकाइयों से आह्वान किया कि वे 21 अप्रैल को बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करें, अमेरिकी उपराष्ट्रपति के पुतले जलाएं और गांवों और जिला मुख्यालयों में वेंस वापस जाओ! भारत बिकाऊ नहीं है का नारा बुलंद करें। वेंस के 21 अप्रैल तक भारत आने की संभावना है। एआईकेएस ने कहा, चर्चा के अंतर्गत द्विपक्षीय व्यापार समझौता डेयरी किसानों के लिए मौत की घंटी साबित होगा, क्योंकि यदि टैरिफ और बाजार प्रतिबंध हटा दिए गए तो भारत को अमेरिकी डेयरी निर्यात में भारीउछाल आएगा।

मेहुल चोकसी का प्रत्यर्पण कराने के लिए बेल्जियम के साथ मिलकर काम कर रहे : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली : भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए बेल्जियम के साथ मिलकर काम कर रहा है। चोकसी को भारत सरकार के औपचारिक अनुरोध पर शनिवार को बेल्जियम के एंटवर्प में गिरफ्तार किया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमारे प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। हम उसके प्रत्यर्पण के लिए बेल्जियम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि वह देश में मुकदमे का सामना कर सके।'' चोकसी 13,500 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में भारतीय जांच एजेंसियों को वांछित है।

भारत को पाकिस्तान से घनिष्ठ संबंध बनाने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए: हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की हालिया टिप्पणियों पर बृहस्पतिवार को कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि भारत सच्चाई को स्वीकार करे और पाकिस्तान से घनिष्ठ संबंध बनाने की उम्मीद छोड़ दे। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अपने हालिया संबोधन में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने साफ कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच गहरी वैचारिक खाई है।''

पंजाब किंग्स से जुड़ने के बाद से ही सीनियर खिलाड़ी होने का अहसास हो रहा है: अर्शदीप

मुल्लांपुर : भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि जब से वह पंजाब किंग्स की टीम से जुड़े हैं तब से उन्हें सीनियर खिलाड़ी होने का अहसास हो रहा है तथा उन्होंने उन पर भरोसा दिखाने के लिए इस आईपीएल फ्रेंचाइजी का आभार व्यक्त किया।यह 26 वर्षीय खिलाड़ी जब किशोर था तभी पंजाब किंग्स (पूर्व में किंग्स इलेवन पंजाब) से जुड़ गया था और तब से वह इस टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं और उसकी तेज गेंदबाजी की अगुवाई कर रहे हैं। अर्शदीप ने पंजाब की तरफ से सात सत्र में 84 विकेट लिए हैं। उन्होंने पिछले साल 19 विकेट लिए थे जो किसी एक सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह आईपीएल के मौजूदा टूर्नामेंट में अभी तक आठ विकेट ले चुके हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कैंडिड विद किंग्स एपिसोड के दौरान कहा, 'जबसे मैं पंजाब किंग्स से जुड़ा हूं तब से पहले साल को छोड़कर मुझे अहसास होने लगा था कि मैं सीनियर खिलाड़ी हूं। मैं पिछले सात साल से इस टीम से जुड़ा हूं तथा पहले साल के बाद मुझे महसूस होने लगा था कि मुझे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।' उन्होंने कहा, 'मुझे जो जिम्मेदारी दी गई उससे मुझे भारतीय टीम और फ्रेंचाइजी टीम में एक खिलाड़ी और एक व्यक्ति के रूप में बेहतर बनने में मदद मिली। 'अर्शदीप ने कहा कि उन्हें बहुत पहले समझ में आ गया था कि छोटी सी गलती भी टीम पर भारी पड़ सकती है और इसलिए उन्हें मैदान पर हर समय सतर्क रहना होगा।

मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया, दर्ज की तीसरी जीत

गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे। यह मुंबई की सात मैचों में तीसरी जीत है और वह छह अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, सनराइजर्स को सात मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है और वह चार अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे रोहित शर्मा ने रियान रिक्लेटन के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन रोहित एक बार फिर बड़ी पारी खेले बिना 26 रन बनाकर आउट हो गए। रिक्लेटन बड़ी पारी की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एक बार जीवनदान मिलने के बावजूद इसका फायदा नहीं उठा सके और 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिर सूर्यकुमार यादव भी 26 रन बनाकर आउट हो गए। तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पांड्या ने कुछ अच्छे शॉट्स खेलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। 18वें ओवर की शुरुआत में मुंबई को जीत के लिए दो रन चाहिए थे और पहली गेंद पर तिलक ने सिंगल लिया, लेकिन अगली गेंद पर हार्दिक आउट हो गए। हार्दिक ने 21 रन बनाए। नए बल्लेबाज के रूप में उतरे नमन धीर पांचवीं गेंद पर खाता खोले बिना आउट हुए और मुंबई की जीत का इंतजार बढ़ गया। 19वें ओवर की पहली गेंद पर तिलक ने चौका लगाकर मुंबई को जीत दिलाई। तिलक 17 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तान पैट कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की और तीन विकेट झटके।

पंजाब के स्पिन आक्रमण के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा आरसीबी के बल्लेबाजों को

बेंगलुरु : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपने घरेलू मैदान पर पहली जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में युजवेंद्र चहल की अगुवाई वाले पंजाब किंग्स के स्पिन आक्रमण का डटकर सामना करना होगा।आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर गुजरात टाइटंस के आर साई किशोर तथा दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव और विपराज निगम के सामने संघर्ष करना पड़ा था तथा चहल और ग्लेन मैक्सवेल उसकी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।यही नहीं चहल और मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी की तरफ से खेलते रहे हैं और यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं।कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चार विकेट लेकर फॉर्म में लौटने वाले चहल का सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता जबकि मैक्सवेल को बल्लेबाजी में खराब प्रदर्शन के बावजूद अंतिम एकादश में जगह मिलना तय है। चहल जादुई गेंदों के बजाय लेंथ के मास्टर हैं। यह लेग स्पिनर ऑफ-स्टंप के बाहर गेंद करके बल्लेबाजों को लंबे शॉट खेलने का लालच देता है जिससे कि वह सीमा रेखा के करीब कैच दे देते हैं। वह अपनी गति में भी काफी चतुराई से बदलाव करते हैं और यदि बल्लेबाजों को उनके खिलाफ छक्के मारने हैं तो उन्हें अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत होती है।

डोपिंग के खिलाफ जंग : एथलीट पासपोर्ट प्रबंधन इकाई बनाने वाला भारत दुनिया का 17वां देश बना

नयी दिल्ली : खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) में एथलीट पासपोर्ट प्रबंधन इकाई (एपीएमयू) का उद्घाटन किया और अब भारत दुनिया का 17वां देश बन गया जिसके पास एथलीटों के खून और स्टेरॉयड प्रोफाइल को समय-समय पर ट्रैक करने के लिए एक समर्पित प्रणाली है। एपीएमयू एथलीटों के जैविक पासपोर्ट की निगरानी और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एक विशेष निकाय के रूप में काम करेगा। जैविक पासपोर्ट डोपिंग का पता लगाने के लिए एथलीट के रक्त मापदंडों, हार्मोनल स्तर और अन्य शारीरिक मार्कर्स पर डेटा संकलित करता है। एपीएमयू प्रतिबंधित पदार्थों की सीधे पहचान किए बिना डोपिंग के संकेत देने वाली विसंगतियों या प्रवृत्तियों पर नज़र रखता है। उद्घाटन के अवसर पर मांडविया ने कहा, 'एपीएमयू डोपिंग के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो एथलीट जैविक पासपोर्ट (एबीपी) प्रणाली के माध्यम से एथलीटों के जैविक प्रोफाइल की ट्रैकिंग को सक्षम बनाता है। यह अनूठी प्रणाली डोपिंग पैटर्न का पता लगाने और अनैतिक चलन की पहचान करके खेलों की निष्पक्षता की रक्षा करने में मदद करेगा।'

न्यूज अपडेट

पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन बने सौरव कोठारी

नयी दिल्ली : भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी सौरव कोठारी ने आयरलैंड के कार्लो में कई बार के विजेता पंकज आडवाणी को फाइनल में हराकर 2025 आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीत लिया।क्यू स्पोर्ट्स की दुनिया ने बुधवार को स्नूकर और बिलियर्ड्स आयरलैंड (एसबीआई) अकादमी में प्रतिष्ठित खिताब के लिए भारत के दो बेहतरीन खिलाड़ियों - कोठारी और आडवाणी के बीच रोमांचक मुकाबला देखा।कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने। कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। कोठारी ने 119 और 112 के ब्रेक भी लगाए।इस जीत से कोठारी ने पहला ऐतिहासिक आईबीएसएफ विश्व खिताब (टाइम्ड' प्रारूप) अपने नाम किया।

उबर के विज्ञापन को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय पहुंचा आरसीबी

नयी दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके एक यूट्यूब विज्ञापन पर उसके ट्रेडमार्क का अपमान करने का आरोप लगाया। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की अंतरिम याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रखा। रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने उबर इंडिया सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मुकदमा दायर किया और दावा किया कि उबर मोटो का यूट्यूब विज्ञापन उसके ट्रेडमार्क का अपमान करता है। इस विज्ञापन का शीर्षक 'बैडीज़ इन बेंगलुरु फीट ट्रैविस हेड' है। आरसीबी ने कहा कि वीडियो में मुख्य किरदार सनराइजर्स हैदराबाद के क्रिकेटर हेड ने उसके ट्रेडमार्क का अपमान किया है।

भूल गया था कि लार का इस्तेमाल कर सकता हूं लेकिन अब से ऐसा करूंगा: भुवनेश्वर

बेंगलुरु : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने स्वीकार किया कि वह नए नियमों के बावजूद गेंद को चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल करना भूल गए हैं और उन्होंने शुक्रवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में इसकी भरपाई करने का वादा किया। भुवनेश्वर ने कहा कि लार के इस्तेमाल पर से प्रतिबंध हटने के बावजूद वह गेंद को चमकाने के लिये इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा ,'मैं भूल ही गया कि लार का प्रयोग कर सकता हूं। कल किसी स्टाफ ने मुझे बताया तो मुझे याद ही नहीं कि इसका इस्तेमाल करना है। कल के मैच में प्रयोग करके देखूंगा कि इससे फायदा मिल रहा है या नहीं।'

भारतीयों ने एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन दो कांस्य पदक जीते

नयी दिल्ली : भारत ने बृहस्पतिवार को सऊदी अरब के दम्मम में एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन चक्का फेंक एथलीट लक्षिता महलावत और 100 मीटर बाधा दौड़ की एथलीट शौर्या अंबुरे के बदौलत कांस्य पदक जीते। लक्षिता ने अंडर-18 लड़कियों की चक्का फेंक स्पर्धा में 41.30 मीटर के प्रयास से कांस्य पदक जीता। चीन की मा चेनयी (53.81 मीटर) और झाओ अंकी (47.89 मीटर) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। शौर्या ने अंडर-18 लड़कियों की 100 मीटर बाधा दौड़ में 13.80 सेकेंड का समय लेकर एक और कांस्य पदक जीता।चीन की बाओ यिनयिन (13.71) और ही यिहुई (13.76) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता।बुधवार को नितिन गुप्ता (लड़कों की 5000 मीटर पैदल चाल), तन्नू (लड़कियों की 400 मीटर रेस) ने रजत पदक जीता जबकि निश्चय (लड़कों की चक्का फेंक स्पर्धा) और आरती (लड़कियों की 100 मीटर रेस) ने कांस्य पदक जीता।

तीन बार की ओलंपिक चैंपियन फ्रेजर-प्राइस माता-पिता की 100 मीटर दौड़ में जीतीं

किंग्स्टन : जमैका की दिग्गज धाविका शेली-एन फ्रेजर-प्राइस ने अपने बेटे जियोन के 'स्पोर्ट्स डे' (खेल दिवस) के दौरान बच्चों के माता-पिता के लिए कराई गई 100 मीटर दौड़ में जीत हासिल की। एक वीडियो वायरल हो रहा है उसमें तीन बार की ओलंपिक चैंपियन को अपने बेटे के स्कूल में दौड़ से पहले लाइन पर कदम रखते और कुछ वार्म-अप अभ्यास करते हुए देखा गया। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने प्रतियोगिता में भाग क्यों लिया तो 38 वर्षीय ने कहा, ''क्यों नहीं। मैं एक अभिभावक हूं। इसमें 'पैरेंट' रेस लिखा था इसलिए मैं इस रेस में शामिल हुई। उन्होंने मुझे अभी तक प्रतिबंधित नहीं किया है, इसलिए मैं लाइन में हूं। '' फ्रेजर-प्राइस ने 2008 और 2012 में लगातार 100 मीटर ओलंपिक खिताब जीते और फिर तोक्यो ओलंपिक में चार गुणा 100 मीटर रिले स्वर्ण जीता।सबसे महान धावकों में से एक फ्रेजर-प्राइस ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि वह 2025 के सत्र में ट्रैक पर वापस आएंगी।

नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका में 84.52 मीटर थ्रो के साथ सत्र की शुरुआत की

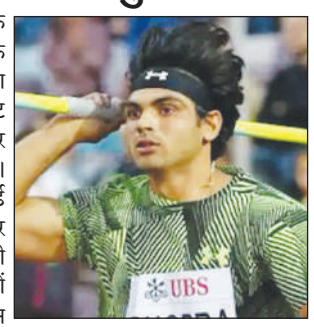

नयी दिल्ली : भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की। चोपड़ा ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय स्टार चोपड़ा दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था।

स्मृति मंधाना बनी महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में रत्नागिरी जेट्स की आइकन खिलाड़ी

पुणे : भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना को गुरुवार को रत्नागिरी जेट्स का आइकन खिलाड़ी नामित किया गया जो महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (डब्लूएमपीएल) में खेलेगी। डब्लूएमपीएल का पहला टूर्नामेंट पिछले साल जून में खेला जाना था लेकिन दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के भारत दौरे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था और बाद में इसके आयोजन के लिए सही तारीख नहीं मिल पाई थी। रत्नागिरी जेट्स ने लगातार दो वर्षों तक महाराष्ट्र प्रीमियर लीग का पुरुष टूर्नामेंट जीता है। मंधाना ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'फ्रेंचाइजी ने एमपीएल में सफलता और महिलाओं के खेल के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण दिखाया है। मैं इस सफर को नए मुकाम पर पहुंचाने को लेकर उत्साहित हूं।'

व्यापार रणनीति में बदलाव चिंताजनक; भारत उपयुक्त नीतियों, दीर्घकालीन दृष्टिकोण पर देगा ध्यान: सीतारमण

मुंबई : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत दुनियाभर में जारी व्यापार रणनीतियों में बदलाव के बीच वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए उपयुक्त नीतियों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करेगा। सीतारमण ने शेयर बाजार बीएसई की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि शुल्क युद्ध बढ़ने और संरक्षणवादी नीतियों को अपनाने से वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो सकती है। साथ ही उत्पादन लागत में वृद्धि और सीमापार निवेश निर्णयों में अनिश्चितता पैदा होने की भी आशंका है। उन्होंने कहा, 'भारत को भरोसा है...हम चुस्त और उपयुक्त नीतिगत उपायों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ इन वैश्विक चुनौतियों से निपटने में कामयाब होंगे।' वित्त मंत्री ने कहा,'व्यापार को लेकर रणनीतियों में बदलाव के प्रयास बहुत चुनौतीपूर्ण हैं...यह चिंताजनक के साथ बहुत चुनौतीपूर्ण भी है।'उन्होंने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति अस्थिर, अनिश्चित और जटिल बनी हुई है। देश अपनी मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद के दम पर इस माहौल में भी मजबूती के साथ खड़ा है। सीतारमण ने कहा कि भारत निवेशकों को नीतिगत स्थिरता, वृद्धि, सूझबूझ वाली वृहद आर्थिक नीतियां और लोकतांत्रिक संस्थान प्रदान करता है। उन्होंने कहा, 'आर्थिक मजबूती के लिए सबसे प्रभावी रास्ता घरेलू दक्षता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। सरकार का ध्यान बुनियादी ढांचे के विकास, समावेशी विकास और गहन क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से एक मजबूत घरेलू आधार बनाने पर है।' वित्त मंत्री ने स्वीकार किया कि व्यापार रणनीतियों में बदलाव के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजार प्रभावित हुए हैं। हाल की वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनीय मतबूती दिखायी है। इसी महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत सहित विभिन्न देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाये जाने की घोषणा के बाद से वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अमेरिकी सरकार के जवाबी शुल्क के कार्यान्वयन पर 90 दिन की रोक की घोषणा के बाद बाजारों में कुछ सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि घरेलू संस्थागत निवेशकों का सहायक की भूमिका से प्रमुख ताकत बनने तक का परिवर्तन भारत के पूंजी बाजार की बढ़ती परिपक्वता और मजबूती को दर्शाता है।

तमिलनाडु सरकार ने मंदिरों का 1,000 किलो सोना पिघलाकर 17.81 करोड़ रुपये सालाना ब्याज कमाया

चेन्नई : तमिलनाडु के 21 मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए 1,000 किलोग्राम से अधिक सोने के सामान को पिघलाकर 24 कैरेट की छड़ों में बदल दिया गया और बैंकों में जमा कर दिया गया। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोने की छड़ों के इस निवेश से उसे सालाना 17.81 करोड़ रुपये का ब्याज मिल रहा है। मंदिरों में चढ़ाए गए सोने के ऐसे सामान, जिनका इस्तेमाल नहीं किया गया था, उन्हें मुंबई स्थित सरकारी टकसाल में पिघलाकर 24 कैरेट की छड़ों में बदल दिया गया और स्वर्ण निवेश योजना के तहत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में निवेश कर दिया गया। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ निधि विभाग के मंत्री पी के शेखर बाबू द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत नीति लेख में कहा गया, निवेश से अर्जित ब्याज का उपयोग संबंधित मंदिरों के विकास के लिए किया जाता है। योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए राज्य के तीनों क्षेत्रों के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की अध्यक्षता में तीन समितियां गठित की गई हैं। सोने की छड़ों के 31 मार्च तक के निवेश का ब्योरा देते हुए लेख में कहा गया, प्रदेश के 21 मंदिरों से प्राप्त 10,74,123.488 ग्राम शुद्ध सोने पर प्रति वर्ष 17.81 करोड़ रुपये का ब्याज प्राप्त हुआ, जो निवेश के समय सोने के मूल्य के अनुसार निर्धारित किया गया। मंदिरों में से, तिरुचिरापल्ली जिले के समयपुरम में अरुलमिगु मरिअम्मन मंदिर ने निवेश योजना के लिए सबसे अधिक 4,24,266.491 ग्राम (लगभग 424.26 किलोग्राम) सोना दिया। मानव संसाधन एवं संवर्द्धन विभाग के नियंत्रण में मंदिरों में 'अप्रयुक्त एवं अनुपयोगी' चांदी की वस्तुओं को सरकार द्वारा अनुमोदित निजी चांदी प्रगलन कंपनियों द्वारा मंदिर परिसर में तीन न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाली क्षेत्रीय समितियों की उपस्थिति में शुद्ध चांदी की सिल्लियों में पिघलाने की अनुमति दी गई है।

न्यूज अपडेट

रुपया 26 पैसे चढ़कर 85.38 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई : घरेलू शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ने और डॉलर में व्यापक कमजोरी के कारण बृहस्पतिवार को रुपया लगातार चौथे सत्र में मजबूत हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे की बढ़त के साथ 85.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो तीन अप्रैल के बंद स्तर के आसपास है। रुपये ने दो अप्रैल के बाद हुए अपने सभी नुकसान की भरपाई कर ली है। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर व्यापक 'जवाबी शुल्क' की घोषणा की थी। दो अप्रैल को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.52 पर रहा था।

जियो फाइनेंशियल का एकीकृत शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 1.8 प्रतिशत बढ़कर 316 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली : वित्तीय सेवाएं देने वाली जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में 1.8 प्रतिशत बढ़कर 316.11 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 310.63 करोड़ रुपये था। आलोच्य तिमाही में कुल आय 24 प्रतिशत बढ़कर 518 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 418 करोड़ रुपये थी।

भारत का चाय निर्यात पिछले साल 25.46 करोड़ किलोग्राम रहा : चाय बोर्ड

कोलकाता : भारत का चाय निर्यात पिछले साल 25.46 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गया। इसके साथ ही भारत चाय के निर्यात में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर पहुंच गया। भारतीय चाय बोर्ड ने एक बयान में यह जानकारी दी है। पिछले साल चाय निर्यात से कुल मूल्य प्राप्ति 7,111.43 करोड़ रुपये की हुई, जो 2023 की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है। क्षेत्रीय योगदान के संदर्भ में, उत्तर भारत 15.48 करोड़ किलोग्राम चाय के निर्यात के साथ सबसे आगे रहा, जिससे 4,833.12 करोड़ रुपये की मूल्य प्राप्ति हुई। दक्षिण भारत ने 9.98 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात किया, जिससे 2,278.31 करोड़ रुपये की कमाई हुई। बयान में कहा गया है कि मात्रा के लिहाज से उत्तर भारत का हिस्सा 60.79 प्रतिशत और मूल्य के लिहाज से 66.96 प्रतिशत रहा, जबकि दक्षिण भारत ने मात्रा के लिहाज से 39.21 प्रतिशत और मूल्य के लिहाज से 32.04 प्रतिशत का योगदान दिया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत काम करने वाला चाय बोर्ड देश भर में चाय की खेती, विनिर्माण और विपणन की सुविधा प्रदान करता है।

आरबीआई ने जमा, खातों को लेकर जारी किया निर्देश

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंक केंद्रीय बैंक को सूचना दिये बिना अपनी विदेशी शाखाओं या प्रतिनिधियों के नाम पर रुपया खाते (ब्याज रहित) खोल/बंद कर सकते हैं। हालांकि, शीर्ष बैंक ने जमा और खाते पर जारी 'मास्टर' निर्देश में कहा कि पाकिस्तान के बाहर संचालित पाकिस्तानी बैंकों की शाखाओं के नाम पर रुपया खाते खोलने के लिए रिजर्व बैंक की विशेष मंजूरी की आवश्यकता होगी। इसमें कहा गया है कि एक प्रवासी बैंक के खाते में जमा करना प्रवासियों को भुगतान की एक स्वीकृत तरीका है और इसलिए, यह विदेशी मुद्रा में हस्तांतरण पर लागू नियमों के अधीन है। आरबीआई ने कहा कि एक प्रवासी बैंक के खाते से निकासी वास्तव में विदेशी मुद्रा का प्रेषण है। प्रवासी बैंकों के खातों के वित्तपोषण पर, आरबीआई ने कहा कि बैंक भारत में अपनी वास्तविक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने खातों में राशि रखने को लेकर अपने विदेशी प्रतिनिधियों/शाखाओं से चालू बाजार दरों पर स्वतंत्र रूप से विदेशी मुद्रा खरीद सकते हैं।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी, सेंसेक्स 1,509 अंक चढ़ा, निफ्टी 414 अंक के लाभ में

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 1,509 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 414 अंक की बढ़त रही। अमेरिका और जापान के बीच व्यापार वार्ता के सफल होने की उम्मीद के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों के घरेलू शेयर बाजार में निवेश के बाद निवेशक उत्साहित नजर आयें। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,508.91 अंक यानी 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,000 अंक के स्तर को फिर से प्राप्त करते हुए 78,553.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,572.48 अंक तक चढ़ गया था। बीएसई में 2,427 शेयर बढ़त में रहे, जबकि 1,522 में गिरावट दर्ज की गयी। 157 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 414.45 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,851.65 अंक पर बंद हुआ। चार दिन की तेजी में सेंसेक्स 4,706.05 अंक यानी 6.37 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि निफ्टी 1,452.5 अंक यानी 6.48 प्रतिशत की बढ़त में रहा। लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक सतीश चंद्र अलूरी ने कहा, ''मानक सूचकांकों ने बृहस्पतिवार को तेज बढ़त दर्ज की और लगातार चार सत्रों की तेजी से सप्ताह का अंत उच्च बढ़त पर किया। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा, ''अमेरिकी सूचकांकों में बुधवार की तेज गिरावट के बाद कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण बाजार नुकसान में खुले। शुरुआती झटकों के बाद, बाजार में तेजी वापस लौटी और अंत में यह अच्छी बढ़त के साथ बंद हुआ।

रिलायंस अपने कैम्पा ब्रांड के लिए बिहार में 1,000 करोड़ रुपये के निवेश से नया बॉटलिंग संयंत्र खोलेगी

नयी दिल्ली : उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) अपने शीतल पेय ब्रांड कैम्पा का बिहार में एक नया बॉटलिंग संयंत्र खोलेगी। रिपोर्ट के अनुसार, आरसीपीएल के स्वामित्व वाले ब्रांड का बिहार के बेगूसराय जिले में 35 एकड़ जमीन पर एक नया संयंत्र होगा, जहां वह लगभग 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसकी पुष्टि करते हुए सरकारी एजेंसी, बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बीआईएडीए) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि यह भूखंड ईपीआईसी एग्रो प्रोडक्ट लिमिटेड को आवंटित किया गया है, जो कैम्पा कोला का उत्पादन और वितरण करने वाली कंपनी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था तीन साल में जर्मनी, जापान को पीछे छोड़ देगी: नीति आयोग के सीईओ

नयी दिल्ली : नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी. वी. आर. सुब्रह्मण्यम ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले तीन साल में जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ देगी और 2047 तक यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है। सुब्रह्मण्यम ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा का केंद्र बन सकता है, क्योंकि अन्य सभी चीजों से परे लोकतंत्र इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, 'फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले वर्ष के अंत तक हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। उसके बाद वाले साल में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे।' अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान में 4,300 अरब अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा,'हम तीन वर्ष में जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ देंगे। 2047 तक हम दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (30,000 अरब अमेरिकी डॉलर) बन सकते हैं।' सुब्रह्मण्यम ने विधि और लेखा कंपनियों सहित सभी भारतीय फर्मों से विश्व में अग्रणी बनने की आकांक्षा रखने का आग्रह किया। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि मध्यम आय वाले देशों की समस्याएं, कम आय वाले देशों की समस्याओं से बेहद अलग हैं। उन्होंने कहा, ' यह गरीबों को भोजन देने या लोगों को कपड़े उपलब्ध कराने के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि आप ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था कैसे बनें।' सुब्रह्मण्यम ने कहा कि दुनिया ने कभी ऐसी स्थिति नहीं देखी...जहां जनसंख्या घटेगी। उन्होंने दावा किया कि जापान 15,000 भारतीय नर्सों तथा जर्मनी 20,000 स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाएं ले रहा है, क्योंकि उनके पास ऐसे पेशेवर लोग नहीं हैं। वहां पारिवारिक व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं।

वर्ष 10, पूर्णांक 4210 अंक 020, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in